राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 19 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-326 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

याचिकाकर्ता का कहना:सरकार 15 साल में भी नहीं ले पाई निष्पक्ष जांच का निर्णय।

45 आईएएस अधिकारियों पर सालों से लंबित शिकायती प्रकरणों की होगी जांच.:PIL हाईकोर्ट

क्रांति समय,सूरत

चिरमिरी। राज्य के 45 आईएएस अधिकारियों कि मुश्किल है अब बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल इन अधिकारियों के खिलाफ 10 से 15 साल पहले की गई शिकायतें आज भी लंबित है। उन शिकायतों पर निष्पक्ष जांच कराने के लिए आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में जनहित याचिका 69/2021 दाखिल की है। वही मामले में हाई कोर्ट की डबल बेंच ने आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ हुई शिकायतों की विस्तृत जानकारी मांगी है।

बता दें कि, प्रदेश में कई आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबे समय से शिकायती प्रकरण बनाकर ठंडे बस्ते में डाल दिए गए हैं। दिसंबर 2015 में विधानसभा में प्रदेश के आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबित शिकायती प्रकरणों पर प्रश्न पूछा गया था। जिस पर तत्कालीन मुख्यमंती ने वर्ष 2016 तक 45 आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध शिकायती प्रकरण लंबित होने की बात कही थी। जिसके बाद से आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने मामले में आरटीआई से जानकारी जुटाना शुरू किया। साथ ही 2021 में आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबित शिकायती प्रकरणों की निष्पक्ष जांच के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट में डबल बेंच ने सुनवाई के दौरान आईएएस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों की विस्तृत जानकारी मांगी है। जिस पर याचिकाकर्ता ने जानकारी इकट्ठा करना शुरूकर दिया है जल्द ही मामले में कोई नया मोड़ आएगा।

15 साल में भी नहीं ले पाए जांच का निर्णय : राजकुमार मिश्रा

मामले में आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा का कहना है कि, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कुल 45 आईएएस अधिकारी ऐसे हैं जिनके ऊपर शिकायती प्रकरण 10, 12 या 15 साल से लंबित है। क्या कांग्रेस सरकार और क्या भाजपा सरकार कोई भी यह निर्णय नहीं कर पाई की इन शिकायती प्रकरणों पर जांच करनी है या नहीं करनी। मामले में मैंने जानकारी जुटाकर माननीय हाई कोर्ट छत्तीसगढ़ में जनहित याचिका लगाई है। सुनवाई के दौरान डबल बेंच ने आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध की गई शिकायतों की जानकारी भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया. आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ शासन से सूचना के अधिकार पर 487 पेज की जानकारी छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में पेश की अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उच्च न्यायालय ने नोटिस जारी कर 2 फरवरी 2022 तक राज्य शासन से जवाब मांगा है

यह है वह 45 आईएएस अधिकारी

1-श्री सी.के. खेतान, 2-श्री जी. आर. चुरेंद्र,3-श्री छत्तर सिंह डहरे,4-डॉ.कमलप्रीत सिंह,5-श्री मुकेश बंसल,6-श्री एन एम छीरसागर,7-श्रीमती शारदा वर्मा,8-श्रीमती रितु सेन,9-श्री निरंजन दास,10-श्री हिमशिखर गुप्ता,11-श्री एन.के. खाखा,12-श्री उमेश कुमार अग्रवाल,13-श्री ओ.पी. चौधरी,14-श्रीमती आर. संगीता,15-श्री टी. राधाकृष्णन,16-श्री अमित कटारिया,17-श्री नरेंद्र कुमारशुक्ला,18-श्री एलेक्स पाल मेनन,19-श्री के.सी. देवासेनापति,20-श्री अशोक कुमार अग्रवाल,21-सुश्री ओमेगा युनाईस टोपो,22-श्री भीम सिंह,23-श्री चंदन कुमार,24-सुश्री अमरमेलमंगई डी.,25-श्री रणवीर शर्मा,26-श्री जी एस मिश्रा,27-श्री विकास संदीपान,28-श्री अवनीश कुमार शरण,29-डॉ. सारांश मित्तर,30-श्री जे.पी. पाठक,31-श्री अंकित आनंद,32-श्री दिनेश श्रीवास्तव,33-श्री टॉमन सिंह सोनवानी,34-श्री केडीपी राव,35-श्री सुरेंद्र कुमार जयसवाल,36-श्री एम.के. राउत,37-श्री अनबलगन पी,38-श्री बी. के. धुर्वे,39-श्री रजत कुमार,40-श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी,41-श्री डॉ. रोहित यादव,42-श्री भुवनेश यादव,43- श्री सुब्रत साहू,44- श्री अमृत खलखो,45-श्री दिलीप वासनिककर.

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

संपादकीय

अपराध का बचाव

अक्सर ऐसे मौके आते हैं, जब हमारे जन-प्रतिनिधियों का व्यवहार दुखी और शर्मसार कर जाता है। दागी छवि वाले जन-प्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या की तो बात ही छोड़ दीजिए। यह भी माना जाता है कि सदन में चुने जाने के बाद नेताओं का व्यवहार आदर्श हो जाएगा, लेकिन बहुधा निराशा ही हाथ लगती है। समाज और सदन को शर्मसार करने वाले जन-प्रतिनिधियों में एक नया नाम जुड़ गया है। कर्नाटक के विधायक रमेश कुमार ने एक तरह से बलात्कार के बचाव में बेहद शर्मनाक टिप्पणी की है। मंत्री रह चुके इस वरिष्ठ विधायक ने हंगामा होने के बाद माफी मांग ली है, लेकिन उनकी टिप्पणी ऐसी है कि विवाद जल्दी शांत नहीं होगा। अपराध को रोकना या रोकने में मदद करना सरकार और उससे जुड़े लोगों की जिम्मेदारी है, लेकिन अव्वल तो अपराध को नहीं रोक पाना और उसके बाद यह कहना कि किसी अपराध का आनंद लिया जाए, हर लिहाज से अक्षम्य है। हम भला कैसी विधायिका के दौर में जी रहे हैं? विधायक जब बोल रहे थे, तब पूरे सदन में ठहाके लग रहे थे। ऐसे में, आज हर जागरूक नागरिक स्वाभाविक ही रोष में है। कांग्रेस नेता रमेश कुमार की ओर से की गई दुखद टिप्पणी को लेकर जहां उनकी पार्टी असहज है, वहीं भाजपा आक्रामक हो गई है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को यह मामला लोकसभा में उठा दिया। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस टिप्पणी को गलत बताया है और विधायक की माफी के बाद वह इस मामले को शांत देखना चाहते हैं। हालांकि, जो कांग्रेस लखीमपुर खीरी मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग कर रही है, उसके लिए कांग्रेस विधायक ने थोड़ी मुश्किल स्थिति बना दी है। वैसे अपने-अपने दागियों के बचाव की राजनीति नई नहीं है, लेकिन यह सिलसिला कहीं तो रुकना चाहिए। नैतिकता ही किसी को सच बोलने का साहस प्रदान करती है। ध्यान रहे, कर्नाटक विधानसभा में ही कुछ साल पहले अश्लील फिल्म देखने का आरोप तीन भाजपा विधायकों पर लगा था, उनमें से एक बाद में उप-मुख्यमंत्री भी बनाए गए। इसलिए अपने दागी को बचाना और दूसरे के दागी पर निशाना साधने की सियासत हमें उत्तरोतर पतन की ओर ही ले जा रही है। सपा सांसद जया बच्चन ने उचित कहा है कि पार्टी को दोषी विधायक पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि यह उदाहरण बने, जिससे वह ऐसा सोचें भी नहीं, सदन में बोलना तो दूर की बात है। जब सदन में ऐसे लोग बैठेंगे, तो जमीन पर स्थितियां कैसे सुधरेंगी? दरअसल, हमारे समाज में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध निरंतर बढ़ रहा है। एनसीआरबी 2019 के अनुसार, अपने देश में प्रति 16 मिनट पर एक बलात्कार होता है, ससुराल में हर चार मिनट पर एक महिला के साथ निर्ममता होती है। नेताओं को तो चर्चा यह करनी चाहिए कि इस निर्ममता को कैसे खत्म किया जाए, लेकिन जब वह किसी न किसी बहाने से महिला विरोधी अपराध को सामान्य बताने की कुचेष्टा करते हैं, तो यह किसी अपराध से कम नहीं है। ऐसे हल्के नेताओं के वजूद पर अवश्य आंच आनी चाहिए, ताकि दुनिया को महिलाओं के अनुकूल बनाया जा सके।

आज के कार्टून

राष्ट्रीय स्वाभिमान का पुनर्जागरण

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पौराणिक व ऐतिहासिक तथ्यों का उल्लेख किया। काशी की महिमा का प्रतिपादन किया। औरंगजेब और सालार मसूद के माध्यम से भारतीय संस्कृति व आस्था स्थलों पर हमले का प्रसंग उठाया। लेकिन नरेंद्र मोदी ने वर्तमान संदर्भ में इस कड़ी को आगे नहीं बढ़ाया। जब राष्ट्रीय स्वाभिमान के विषयों को सांप्रदायिक माना गया, जब आस्था के स्थलों को यथास्थिति में ही सदियों तक स्वीकार कर लिया गया, तब नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से राष्ट्रीय स्वाभिमान को स्थापित किया गया। प्राचीन काल में अनेक प्रजा हितैषी शासक स्थिति के आकलन हेतु रात्रि में भ्रमण पर निकलते थे। काशी की सड़कों पर देर रात प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पैदल निकल पड़े। उन्होंने काशी में चल रहे व पूर्ण हो चुके विकास कार्यों का अवलोकन किया। यह भ्रमण पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में शामिल नहीं था। नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ रात्रि में तीन चार घंटे ही विश्राम करते हैं। यहां प्रवास के दौरान उनके पास सरकारी फाइलें निपटाने का कार्य नहीं रहा होगा। शायद इसलिये दोनों नेताओं ने देर रात विचार-विमर्श के बाद पैदल चलकर विकास कार्यों और शहर में हुए बदलाव का निकट से अवलोकन किया। सड़कों पर प्रधानमंत्री को पैदल चलते देख नागरिक हैरत में पड़ गये। जिन्होंने उन्हें देखा हर-हर महादेव के उद्घोष से उनका स्वागत किया। मोदी ने भी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। वह ड़ेढ़सीपुल के पास पहुंचे। वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर दीपक अग्रवाल को तलब किया। उनसे विकास कार्यों की जानकारी ली। कमिश्नर ने विस्तार से बीस मिनट तक बताया। प्रधानमंत्री पूरी गंभीरता से उनकी बात सुनते रहे। कहा कि जनसहयोग से दशाश्वमेध मार्ग समेत पूरे क्षेत्र को और भव्य बनाया जाए। इसी दौरान एक दंपति को बच्चे के साथ जाता देख प्रधानमंत्री प्रोटोकाल तोड़कर उनके पास पहुंचे तो दंपति हैरत में पड़ गया। फिर मुस्कराते हुए प्रधानमंत्री का अभिवादन किया तो प्रधानमंत्री ने उनके मासूम बच्चे को दुलारा और प्यार किया। योगी आदित्यनाथ ने भी बच्चे के सिर पर स्नेह से हाथ फेरा। कुछ देर बच्चे को स्नेह देने के बाद प्रधानमंत्री ने उनका हालचाल पूछा। कहा कि इतनी रात में घूम रहे हैं, डर नहीं लगता। इस पर राजस्थान के दंपति ने कहा नहीं। इसके पहले नरेंद्र मोदी दोबारा श्री विश्वनाथ धाम दर्शन पूजन के लिए पहुंचे। बीस मिनट तक दर्शन पूजन के बाद उन्होंने बाबा दरबार की लाइटिंग आदि को निहारा। शहर में हुए बदलाव और बनारस रेलवे स्टेशन को भी देखा। गोदौलिया मैदागिन होते हुए कबीरचौरा से लहुराबीर चौराहे पहुंचे। फिर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के समीप से गुजरने वाली सड़क से होते हुए चौकाघाट लकड़ी मंडी पहुंच गए। जहां से फ्लाइओवर को देखा फिर लहरतारा से मंडुआडीह होते हुए बनारस रेलवे स्टेशन पहुंच गए। स्टेशन परिसर में पैदल चलकर दूसरे प्रवेश द्वार पर लगे रेल इंजन के मॉडल को देखा। फिर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर आठ पर पहुंच गए। कुछ देर प्लेटफॉर्म पर बिताने के बाद वीआईपी लाउंज के अंदर गए। इस दौरान यात्रियों और स्टॉल पर मौजूद दुकानदारों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। नरेंद्र मोदी की काशी यात्रा व श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण सोशल मीडिया पर भी सर्वाधिक ट्रेंडिंग पर रहा। पूरे देश में सुबह से शाम तक लोकार्पण कार्यक्रम नंबर एक पर ट्रेंड करता रहा। लोगों ने काशी विश्वनाथ धाम हैशटैग के साथ करीब दस हैशटैग और कीवर्ड का उपयोग किया। काशी विश्वनाथ धाम हैशटैग की नेशनल रैंक वन रही। नेशनल बेस्ट रैंक वन रही। स्टेट रैंक बेस्ट स्टेट रैंक वन है। ट्वीट की संख्या का विश्व रिकॉर्ड कायम हुआ। विश्व के अन्य देशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों द्वारा भी इस कार्यक्रम को लाइव देखा गया। सोशल मीडिया पर खूब पोस्ट एवं ट्वीट किया गया। एक हफ्ता पहले से हैशटैग दिव्य काशी भव्य काशी के साथ काशी विश्वनाथ धाम की प्रतिदिन के निर्माण कार्य, सुबह एवं शाम की सुंदर फोटो और वीडियो, ड्रोन कैमरे से लिए गए फोटो और वीडियो के साथ हैशटैग के साथ प्रयोग कर सोशल मीडिया पर खूब पोस्ट एवं ट्वीट किया गया। इससे कार्यक्रम का संपूर्ण भारत में उत्सव के आयोजन जैसा माहौल बन गया। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होती रही। साथ ही काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और दिव्य रूप की तस्वीरें भी छाई रहीं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हजार वर्षों से काशी को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। ढाई सौ वर्ष पहले इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने बाबा विश्वनाथ की पुनर्स्थापना में महती योगदान दिया। महाराजा रणजीत सिंह ने मन्दिर को स्वर्णमण्डित कराया। ग्वालियर की रानी ने भी मन्दिर में अपना योगदान किया। अब नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ धाम का यह भव्य स्वरूप साकार हुआ है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसके पहले नरेंद्र मोदी ने कहा कि संकल्प, स्वच्छता, सृजन तथा आत्मनिर्भर भारत के लिए निरंतर प्रयास जारी रखना है। स्वच्छता जीवनशैली होती है, अनुशासन होता है। यह कर्तव्यों की एक बहुत बड़ी श्रृंखला लेकर आती है। गंगा जी की स्वच्छता के लिए उत्तराखण्ड से लेकर बंगाल तक प्रयास चल रहे हैं। नमामि गंगे अभियान की सफलता के लिए सजग होकर काम करते रहना होगा। चुनौतियों के बीच चालीस से भी ज्यादा यूनीकॉर्न यानी स्टार्ट अप बनाये। एक यूनीकॉर्न करीब सात सात हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है। यह पिछले एक-डेढ़ साल में बना है। इतने कम समय में यह अभूतपूर्व है। दो दिवसीय काशी दौरे के अंतिम दिन प्रधानमंत्री चौबेपुर उमरहा स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व संत सदाफल देव महाराज की जेल यात्रा के शताब्दी महोत्सव एवं विहंगम योग संत समाज के वार्षिकोत्सव के सहभागी हुए। उन्होंने कहा कि ये संकल्प ऐसे होने चाहिए जिसमें सद्गुरु के संकल्पों की सिद्धि हो और जिसमें देश के मनोरथ भी शामिल हों। काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के बाद शहर के बरेका गेस्ट हाउस में रात्रि प्रवास कर प्रधानमंत्री दूसरे दिन बरेका प्रशासनिक भवन के कीर्ति कक्ष सभागार में मुख्यमंत्रियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी विकास कार्यों और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सांसद, विधायक और जन प्रतिनिधि लगातार अपने क्षेत्र की जनता के बीच बने रहें। सभी मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री के सामने अपने कार्य का प्रेज़ेंटेशन दिया। बैठक में भाजपा शासित उत्तर प्रदेश सहित ग्यारह प्रांतों के मुख्यमंत्रियों व सात उपमुख्यमंत्री शामिल रहे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मन के सौंदर्य से निखरी हरनाज

अरुण नैथानी

पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका से एक सुकून देने वाली मीठी बयार-सी खबर आई कि 21 साल की हरनाज संधू ने देश को 21 साल बाद 21वीं सदी के 21वें साल में ब्रह्माण्ड सुंदरी का खिताब सौंपा है। वैसे वे इस खिताब को जीतने वाली तीसरी भारतीय सौंदर्य प्रतिभा हैं, लेकिन संयोग देखिये 21 साल पहले जब लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था, तब हरनाज का जन्म हुआ था। बहरहाल, बाह्य सुंदरता के साथ सुंदर मन की धनी हरनाज पर हर भारतीय को नाज है। हरनाज की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि वह भारतीय जीवन दर्शन और मूल्यों की सशक्त पक्षधर है। वह उस भारतीय मेधा की धनी है, जिसके बूते भारतीय प्रतिभाएं पूरी दुनिया में धूम मचा रही हैं। उसके पास एक स्पष्ट दृष्टि, गहरे मानवीय सरोकार हैं, सकारात्मक दृष्टिकोण है और परिवार के प्रति असीम प्रेम। उसकी जीवन शैली पश्चिमी देशों के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। वैचारिक रूप से इतनी सशक्त है कि जब अंत में उससे युवाओं की चुनौतियों को लेकर सवाल पूछा गया तो उसने इतने तार्किक ढंग से अपनी बात कही कि 79 देशों से आई सुंदरियां परास्त हो गईं। पंजाब के गुरदासपुर के एक गांव में जन्मी और चंडीगढ़ में पली-बढ़ी हरनाज अपने शुरुआती सालों में बेहद अंतर्मुखी और दुबली-पतली लड़की थी। उसको दुबलेपन की वजह से हीनता का बोध कराया जाता था। लेकिन कालांतर में उसने अपने को बदला और आंतरिक रूप से खुद को मजबूत किया। ग्लैमर की दुनिया में उसकी दस्तक ज्यादा पुरानी नहीं है। लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाली हरनाज जब कालेज के रैंप पर चली तो उसका रुझान सौंदर्य प्रतियोगिताओं की तरफ बढ़ा। वह विज्ञापन के साथ फिल्में भी करने लगी। दो फिल्में की हैं लेकिन अभी रिलीज होना बाकी है। दरअसल, हरनाज के व्यक्तित्व में उसकी परवरिश की गहरी छाप है। कभी उसे उसके विधायक व वकील नाना के व्यक्तित्व ने प्रभावित किया तो कभी सरकारी अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ मां ने। उसने कोविड महामारी के दौरान अपनी मां को जूझते देखा। रियल स्टेट का कारोबार करने वाले पिता का भी अनुसरण किया जो अक्सर उसे शेरनी कहा करते थे। पिता की वह सीख उसे याद रही कि खाना बनाना और गाड़ी चलाना हर किसी को आना चाहिए। कोरोना काल में जब मां की सख्त ड्यूटी होती थी, वह शौक से खाना बनाया करती थी। खाने को लेकर हरनाज की सोच बड़ी आध्यात्मिक है। वह बताती है कि मां कहती है कि खाना अरदास करते हुए बनाओ। आपके सकारात्मक भाव खाने वाले तक भी पहुंचे। उसे इसका लाभ पहुंचेगा और उसकी सेहत ठीक रहेगी। सात साल बड़ा भाई सदा मददगार ही रहा। संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण से भरपूर हरनाज कविताएं भी लिखती रही हैं और डायरी पर नियमित कुछ न कुछ दर्ज करती रही है। पढ़ने-लिखने का भी शौक था। खूब खाने का भी। एक पंजाबी लड़की की तरह उसे सरसों का साग व मक्की की रोटी खूब पसंद है। राजमा चावल का अलग शौक है। वह भारतीय लड़कियों को सलाह देती है कि भूखे रहकर शरीर बनाने का शौक नहीं होना चाहिए। जो मन आये उसे खाओ, मगर वर्क आउट जरूर करें। हरनाज मानसिक रूप से जो इतनी सशक्त है तो उसमें योग की भी बड़ी भूमिका है। वह नियमित रूप से योग करती है। सकारात्मक सोच और प्यारी-सी मुस्कान हरनाज का गहना है। वह बताती है कि कोरोना महामारी ने हमें हमारे जीवन मूल्यों का अहसास कराया। हमें फिर प्यार से एकसाथ रहना सिखाया। युवाओं से हरनाज कहती है कि सकारात्मक सोच के साथ हम परिवार के संबल से हर लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। वह देश में मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता व जलवायु परिवर्तन के संकट को दूर करने के लिये काम करना चाहती है। वैचारिक रूप से हरनाज कितनी सशक्त है, इस बानगी अंतिम चरण के उसके उद्वेलित करने वाले विचारों से पता चलता है। इस जवाब ने उसे सभी प्रतियोगियों में नंबर वन बनाकर ताज सौंप दिया। मौजूदा दौर में दबाव का सामना करने वाली युवतियों के बारे में उसने कहा कि 'वे खुद पर भरोसा करना सीखें। अपनी विशिष्टता का अहसास आपको खूबसूरत बनाता है। दूसरों से तुलना नहीं होनी चाहिए। दुनिया के घटनाक्रम पर नजर रखें और अपनी प्रतिक्रिया दें। खुद के लिये बोलिये। अपने नेता आप हैं। आपका आत्मविश्वास आपको सफलता दिलाता है।' जब हरनाज से विश्व की सबसे बड़ी चुनौती जलवायु संकट पर राय पूछी गई तो उसने कहा, 'आज प्रकृति की दशा देखकर मैं व्यथित हूं। प्रकृति की इस दशा के मूल में हमारा गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार ही है। जरूरी है कि हम बात करने के बजाय ठोस काम करें। प्रकृति हमारी सकारात्मक पहल से बचेगी। प्रकृति को हो रही क्षति को रोकना व संरक्षण देना वक्त की जरूरत है। हरनाज का सुंदरता को लेकर नजरिया भारतीय दर्शन व योग के अनुरूप ही है। उसका मानना है कि सुंदरता हमारी दृष्टि व महसूस करने पर निर्भर है। मन के सुंदर व्यक्ति को मैं सुंदर मानती हूं। जो प्रकृति व मानवता से प्रेम करते हैं वे सुंदर होते हैं। भगवान ने सभी को बनाया है, सुंदरता-असुंदरता शब्द हमने गढ़े हैं। यदि हम किसी को असुंदर कहते हैं तो यह विधि के विधान का अपमान ही कहा जायेगा। वह हर पल खुश रहने की वकालत करती है क्योंकि आंतरिक खुशी हमारे चेहरे को सुंदर बनाती है।

पुरुष-महिला

जग्गी वासुदेव

भारतीय आध्यात्मिकता, हमेशा ऐसे पुरु षों और महिलाओं का एक समृद्ध मिश्रण रही है, जो अपनी चेतना के शिखर पर पहुंचे थे। जब मनुष्य के आंतरिक स्वभाव की बात होती है तो महिलाओं में भी उतनी ही योग्यता है, जितनी पुरु षों में। यह तो आपका बाहरी हिस्सा, यानि शरीर है जिसे आप पुरुष या महिला कहते हैं। जो चीज भीतर है, वो एक ही है। बाहरी हिस्सा यह बिल्कुल भी तय नहीं करता कि किसी की आध्यात्मिक योग्यता क्या है। प्राचीन काल में महिलाएं भी यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण करतीं थीं क्योंकि इसे पहने बिना वे शास्त्र नहीं पढ़ सकतीं थीं। पुरु षों की तरह महिलाएं भी 10 से 20 वर्ष विवाहित रहतीं थीं। और फिर, यदि उन्हें आध्यात्मिक होने की गहरी इच्छा होती थी तो वे भी परिवार का त्याग कर सकतीं थीं। लेकिन जब दुष्ट, अत्याचारी लोगों ने भारत पर हमले करने शुरू किये तो धीरे-धीरे स्त्रियों की स्वतंत्रता समाप्त हो गई। पारम्परिक नियम बदलने लगे। शायद कुछ समय के लिए यह जरूरी भी था क्योंकि उस समय की परिस्थितियों के अनुसार महिलाओं की अपनी सुरक्षा के लिए, उन पर कुछ बंधन लगाना आवश्यक हो गया। मगर दुर्भाग्यवश, यह कायदा ही बन गया। महिलाओं के लिए सबसे पहली गलत बात यह हुई कि यह घोषित किया गया कि वे यज्ञोपवीत नहीं पहन सकतीं। फिर यह भी कहा गया कि महिलाओं को मुक्ति केवल अपने पति की सेवा करने से ही मिल सकती है। यह तय किया गया कि केवल पुरु ष ही परिवार का त्याग कर सकेंगे। यदि एक स्त्री जिसमें से पुरु ष उत्पन्न होता है-हीन है, तो फिर पुरु ष श्रेष्ठ कैसे हो सकता है? इसकी कोई सम्भावना ही नहीं है। ये समस्या सारे विश्व में है। ये अब पुरु षों की जीवन पद्धति ही हो गई है, और उनके धर्म और संस्कृति का एक हिस्सा भी। दुर्भाग्य से, ये चीजे कभी-कभी आज भी होती दिखतीं हैं। स्त्री को बताया जाता है कि उसका जन्म सिर्फ पिता या पति की सेवा करने के लिए ही हुआ है। लोग अस्तित्व के अद्वैत रूप की चर्चा करते हैं और फिर भी कहते हैं,'हरेक वस्तु एक ही है, पर महिलाएं कम हैं'। यह जानते हुए कि पुरु ष का अस्तित्व स्त्री पर निर्भर करता है, यदि वह एक स्त्री को समान स्तर पर स्वीकार नहीं करता तो उसके लिए अस्तित्व के अद्वैत रूप को स्वीकार कर सकने का प्रश्न ही नहीं उठता।

सू-दोकू नवताल -1993

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सू-दोकू 1992 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1993

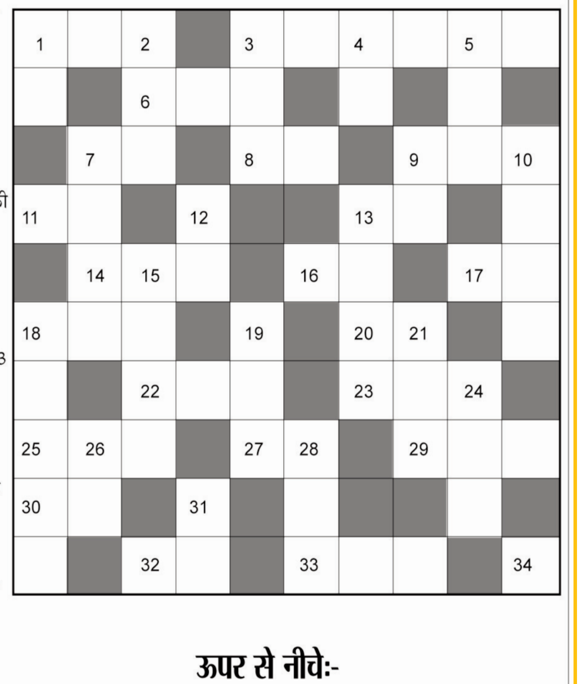

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5 विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1992

BSE और NSE की नई गाइडलाइन: एक्सचेंज पर तकनीकी खराबी आई तो सदस्य रोजाना भरेंगे 20 हजार

बिजनेस डेस्क: देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने अपने सदस्यों के लिए तकनीकी समस्याओं के बारे में सूचित करने से संबंधित दिशानिर्देश शुक्रवार को जारी किए। बीएसई और एनएसई ने अलग-अलग परिपत्रों में इससे संबंधित नए मसौदे जारी किए। इनके मुताबिक सदस्य निर्धारित समय के भीतर तकनीकी गड़बड़ी के बारे में सूचना नहीं देते हैं तो उन्हें 20,000 रुपया प्रतिदिन के हिसाब से देना होगा। इस दिशानिर्देश में एक्सचेंजों के सदस्यों के लिए तकनीकी गड़बड़ियों को रोकने के लिए तकनीकी ढांचा एवं प्रणालीगत आवश्यकताओं का ब्योरा दिया गया है। तकनीकी गड़बड़ी में हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर से संबंधित समस्याएं होने के अलावा सदस्यों की तरफ से दी जाने वाली सेवाओं एवं उत्पादों में आने वाली समस्या भी शामिल होती है। बीएसई एवं एनएसई ने कहा कि 50,000 से अधिक विशिष्ट पंजीकृत ग्राहक आधार वाले सदस्यों को अनिवार्य रूप से कारोबार बनाए रखने की योजना भी रखनी होगी। किसी कारोबारी अवरोध की स्थिति में इस तरह की योजना जरूरी है। सदस्यों को किसी भी तरह की तकनीकी खराबी आने पर 2 घंटे के भीतर एक्सचेंज को सूचित करना होगा। हालांकि, इसे लागू करने के लिए सदस्यों को 12 महीने का समय दिया जाएगा।

कॉन्ट्रेक्ट विवाद में यूट्यूब टीवी ने डिज्नी चैनल्स को खोया

सैन फ्रांसिस्को। वीडियो-स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी यूट्यूब कथित तौर पर डिज्नी के साथ एक दर्जन से अधिक डिज्नी के स्वामित्व वाले चैनलों को लाइव टीवी स्ट्रीमिंग सेवा पर रखने के लिए एक समझौते पर पहुंचने में विफल रही है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, 18 दिसंबर तक ईएसपीएन और एबीसी सहित लोकप्रिय नेटवर्क को सेवा से हटा दिया गया है। जैसा कि वादा किया गया था, यूट्यूब टीवी ने खोई हुई प्रोग्रामिंग के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में अपनी सदस्यता को 50 डॉलर प्रति माह तक गिरा दिया है। कंपनी ने कहा कि यूट्यूब टीवी के साथ चल रही बातचीत के बाद, उन्होंने बाजार के नियमों और शर्तों के आधार पर हमारे साथ एक उचित सौदा करने से इनकार कर दिया है। कंपनी ने कहा, परिणामस्वरूप, उनके ग्राहकों ने हमारे नेटवर्क के बेजोड़ पोर्टफोलियो तक पहुंच खो दी है जिसमें लाइव स्पोर्ट्स और न्यूज प्लस किड्स, एबीसी, ईएसपीएन नेटवर्क, डिज्नी चैनल, फ्रीफॉर्म, एफएक्स नेटवर्क और नेशनल ज्योग्राफिक चैनल से परिवार और सामान्य मनोरंजन प्रोग्रामिंग शामिल हैं। कंपनी ने कहा, हम अपने नेटवर्क को बहाल करके यूट्यूब टीवी दर्शकों की असुविधा को कम करने के लिए जितनी जल्दी हो सके, गूगल के साथ एक समान समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार हैं। हमें उम्मीद है कि गूगल उन प्रयासों में हमारे साथ शामिल होगा। एक ब्लॉग पोस्ट में, यूट्यूब टीवी ने कहा कि वह यूट्यूब टीवी पर उनके कंटेंट को बहाल करने की उम्मीद में आपकी ओर से वकालत करने के लिए डिज्नी के साथ बातचीत जारी रखेगा। यह घोषणा इस सप्ताह की शुरूआत में ग्राहकों के साथ साझा किए गए एक नोटिस के बाद की गई है कि अगर दोनों कंपनियों के बीच कोई समझौता नहीं हुआ तो चैनल 17 दिसंबर को यूट्यूब टीवी से गायब हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री की इक्विटी एवं उद्यम पूंजी निवेशकों के साथ बजट-पूर्व बैठक

नई दिल्ली:
अगले वित्त वर्ष के बजट को लेकर जारी तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रमुख निजी इक्विटी एवं उद्यम पूंजी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, इस बैठक में भारत को एक आकर्षक निवेश स्थल बनाने के बारे में सुझाव मांगे गए। अधिक पूंजी आकर्षित करने से जुड़े कदमों के अलावा भारत में कारोबार को अधिक सुगम बनाने से जुड़े उपायों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा सुधारों की प्रक्रिया तेज करने के बारे में भी इस बैठक में विचार-विमर्श हुआ। विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने इस बैठक में निवेशकों से मिले व्यावहारिक सुझावों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार इन मुद्दों और चुनौतियों के समाधान के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मोदी ने सुधारों की दिशा में अपनी सरकार के प्रयासों का भी जिक्र किया। पीएम गतिशक्ति जैसी योजनाओं की शुरुआत और गैरजरूरी अनुपालन बोझ को कम करने के लिए उठाए गए कदमों की भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने इसके पहले नवंबर में भी 20 बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन फर्मों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। निवेशकों के साथ हुई बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद थीं। वह एक फरवरी 2022 को वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करेंगी। इसके लिए सरकार ने संबंधित उद्योगों एवं क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श का सिलसिला शुरू कर दिया है। मोदी सरकार ने वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं। सरकार भारत को विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की कोशिश कर रही है जिससे देश की बड़ी आबादी को रोजगार मुहैया कराने में भी मदद मिलेगी।

एसबीआई ने सड़क क्षेत्र में 90 हजार करोड़ का कर्ज दिया: खारा

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि सड़क क्षेत्र में बैंक का कर्ज 90,000 करोड़ रुपए के पास पहुंच गया है। राजमार्ग, परिवहन और लॉजिस्टिक में निवेश के अवसरों पर हाल ही में आयो जित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान खारा ने कहा कि एसबीआई देश के सड़क क्षेत्र के विकास में एक भरोसेमंद भागीदार है। उन्होंने कहा ` कि एसबीआई ने सड़क क्षेत्र में 90,000 करोड़ रुपए का कर्ज दिया है। यह इस विशेष क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिया गया कुल कर्ज का लगभग 37 प्रतिशत है एसबीआई ने कई सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का समर्थन करने के लिए 30 जून, 2021 तक 35,000 करोड़ रुपए का ऋण दिया है।

फिच ने श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग घटाकर 'सीसी' की

कोलंबो (एजेंसी):

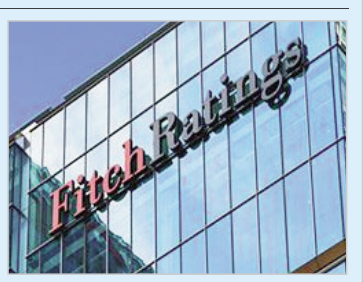

रेटिंग एजेंसी फिच ने श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग को घटाकर 'सीसी' करते हुए कहा है कि इसकी बिगड़ती बाह्य तरलता स्थिति की वजह से आने वाले महीनों में चूक की आशंका बढ़ सकती है। फिच रेटिंग्स ने कहा है कि श्रीलंका की सरकार के लिए विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने से आने वाले साल में बाह्य ऋण देनदारियों को पूरा कर पाना खासा मुश्किल होगा। यह सिलसिला वर्ष 2023 तक भी जारी रह सकता है। फिच ने अपने एक बयान में कहा, ''श्रीलंका सरकार को जनवरी 2022 में 50 करोड़ डॉलर के अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड का भुगतान करना है। उसके बाद जुलाई 2022 में भी उसे एक अरब डॉलर के एक अन्य अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड को चुकाना है।'' उसका कहना है कि नए विदेशी वित्त स्रोत के अभाव में श्रीलंका के लिए ऐसा कर पाना मुश्किल होगा। रेटिंग एजेंसी ने इन वजहों से श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग को 'सीसीसी' से घटाकर 'सीसी' कर दिया है। उसने कहा कि रेटिंग में आई यह गिरावट आने वाले महीनों में चूक की बढ़ी हुई आशंका को दर्शाती है। फिच ने कहा कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार भी बहुत तेजी से घटा है जो आयात व्यय बढ़ने और श्रीलंकाई केंद्रीय बैंक के विदेशी मुद्रा संबंधी हस्तक्षेप का मिश्रित परिणाम है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार अगस्त के बाद से ही दो अरब डॉलर कम हो चुका है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर! डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 60% बढ़कर 9.45 लाख करोड़ से ज्यादा

(एजेंसी):

केंद्र सरकार की ओर से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 16 दिसंबर तक साल 2021-22 के लिए तीसरी किस्त तक का एडवांस टैक्स कलेक्शन 4,59,917 करोड़ रुपए रहा है। इसमें 53.50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, 2021-22 के लिए 16 दिसंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह **(Direct Ta& Collection)** 9,45,276 करोड़ से कुछ अधिक रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5,87,702 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा रहा था। इस आधार पर पिछले साल के मुकाबले इस साल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 60.8 फीसदी का शानदार इजाफा हुआ है। विते त मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रत्यक्ष करों का कुल संग्रह 10,80,370 करोड़ रुपए रहा है। वहीं, पिछले वित्त वर्ष के दौरान इसी अवधि में यह आंकड़ा 7,33,715 करोड़ रुपए से कुछ अधिक था। इससे साफ है कि देश की अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है।

कैसे हुआ शुद्ध कर संग्रह में इजाफा

वित्त मंत्रालय ने बताया कि साल 2021-22 में अब तक शुद्ध कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि के 6,75,409.5 करोड़ रुपए कलेक्शन के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा है। वर्ष 2018-19 में शुद्ध संग्रह 6,70,739.1 करोड़ रुपए रहा था। चालू वित्त वर्ष की पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में कुल अग्रिम कर संग्रह 4,59,917.1 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 16 दिसंबर तक यह आंकड़ा 2,99,620.5 करोड़ रुपए रहा था। इस तरह कुल अग्रिम कर संग्रह इस साल 53.5 प्रतिशत बढ़ा है।

अभी बढ़ सकती है कर संग्रह की राशि

अग्रिम कर संग्रह के इन आंकड़ों में 3.49 लाख करोड़ रुपए कंपनी टैक्स के तौर पर जुटाए गए हैं। वहीं, 1.11 लाख करोड़ रुपए व्यक्तिगत आयकर के तौर पर आए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस राशि में बढ़ोतरी होने की भी उम्मीद है। मंत्रालय के मुतो बिक, अभी कुछ बैंकों से टैक्स जमा के बारे में जानकारी मिलना बाकी है। हर साल तीसरी तिमाही के अग्रिम कर जमा करने की आखिरी तारीख 15 दिसंबर होती है।

नोएडा प्राधिकरण की फार्महाउस योजना संदेहास्पद, 2,833 करोड़ का हुआ नुकसान: कैग

नोएडा (एजेंसी).

उत्तर प्रदेश के नोएडा में वर्ष 2008-11 के दौरान लाई गई फार्महाउस योजना को राज्य सरकार की जरूरी मंजूरी नहीं थी और इस योजना में संदेहास्पद ढंग से आवंटन किए जाने से सरकारी खजाने को 2,833 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। नियंत्रक एवं महालेख परीक्षक (कैग) की शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेश रिपोर्ट में नोएडा फार्महाउस योजना पर कई गंभीर सवाल उठाए गए। इसमें नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा प्राधिकरण) की नीतियों में कई गड़बड़ियों का भी जिक्र किया गया है। यह रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण की नीतियों, नियोजन, भूमि अधिग्रहण, संपत्तियों के आवंटन और आंतरिक नियंत्रण में कई खामियों को भी रेखांकित करती है। इसके मुताबिक प्राधिकरण की इन कमियों से सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। करीब 500 पृष्ठों की इस रिपोर्ट में वर्ष 2005 के बाद के दौर की समीक्षा की गई है। सीएजी की इस रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर नोएडा प्राधिकरण ने कहा कि उसने अभी इस रिपोर्ट का अध्ययन नहीं किया है। प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु माहेश्वरी ने कहा, अतीत में रही आवंटन से संबंधित खामियां अब दुरूस्त की जा रही हैं। मसौदा रिपोर्ट में उठाए गए कुछ बिंदुओं से हम सहमत थे जबकि कुछ बिंदुओं पर प्राधिकरण ने जवाबी तथ्य भी रखे थे। अंतिम रिपोर्ट का अभी अध्ययन किया जाना बाकी है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की वरिष्ठ अधिकारी माहेश्वरी ने कहा कि रिपोर्ट के अध्ययन के बाद सरकार से मिले निर्देशों के अनुरूप कदम उठाए जाएंगे। सीएजी ने फार्महाउस प्लॉट के आवंटन पर कहा है कि वर्ष 2008-11 के दौरान ऐसी दो योजनाएं लाई गई थीं जिनमें 157 आवेदकों को 18.37 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र की जमीन आवंटित की गई लेकिन सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों फार्महाउस योजनाएं पूर्व-अनुमति एवं निर्धारित प्रक्रिया के बगैर ही लाई गई थीं। रिपोर्ट कहती है, फार्महाउस की श्रेणी उत्तर प्रदेश सरकार की भवन नियमन संबंधी अनुमति के बगैर ही जोड़ दी गई थी। इसके मुताबिक, ये दोनों योजनाएं प्राधिकरण की क्षेत्रीय योजना के अनुरूप नहीं थीं जिसमें रिहायशी क्षेत्र से दूर फार्महाउस के विकास की बात कही गई थी। इसके साथ ही कैग ने फार्महाउस प्लॉट के लिए आरक्षित मूल्य कम रखने को लेकर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट कहती है, नोएडा प्राधिकरण ने किसानों से जमीन खरीदी और कंपनियों के दफ्तरों वाले एक विकसित इलाके से सटकर फार्महाउस के प्लॉट आवंटित कर दिए। कैग ने अपनी रिपोर्ट में फार्महाउस प्लॉट की दरें बहुत कम रखे जाने पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट कहती है, बाजार दर के हिसाब से भुगतान की क्षमता रखने वाले आवंटियों को भी 3,100 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से प्लॉट दिए गए जबकि वर्ष 2008-09 में न्यूनतम दर 14,400 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इतनी कम दर पर प्लॉट आवंटित किया जाना काफी संदेहास्पद है और इससे आवंटियों को 2,833 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ हुआ जिससे प्राधिकरण को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ।

उसने प्लॉट का आवंटन भी पारदर्शी तरीके से नहीं होने की बात कही है।

सेबी अगले महीने करेगा विश्वामित्र इंटरनेशनल इंफ्रा की संपत्तियों की नीलामी

नई दिल्ली (एजेंसी):

बाजार नियामक सेबी निवेशकों के धन की वसूली के लिए अगले महीने 2.8 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर विश्वामित्र इंटरनेशनल इंफ्रा की आठ संपत्तियों की नीलामी करेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नोटिस में कहा कि ये संपत्तियां पश्चिम बंगाल में स्थित खाली भूमि हैं। इन संपत्तियों की नीलामी के लिए निविदाएं आमंत्रित करते हुए सेबी ने कहा कि 27 जनवरी 2022 को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच ऑनलाइन माध्यम से नीलामी होगी। सेबी की ओर से 2016 में जारी आदेश के मुताबिक विश्वामित्र इंटरनेशनल ने 2012-13 में अपनी समूह कंपनी विश्वामित्र इंडिया टूर एंड होटल्स लिमिटेड को 41.61 करोड़ रुपए मूल्य के 41.5 लाख से अधिक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) आवंटित किए थे। इस कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम मानदंडों का पालन किए बगैर ये एनसीडी 83,109 निवेशकों को हस्तांतरित कर दिए थे। मार्च 2014 तक इन एनसीडी के जरिए विश्वामित्र इंटरनेशनल ने 107 करोड़ रुपए जुटा लिए थे। निर्धारित नियमों का पालन नहीं किए जाने पर अगस्त 2016 में सेबी ने विश्वामित्र इंटरनेशनल, उसकी समूह कंपनी और पांच निदेशकों को तीन महीने के भीतर निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश दिया था। इन कंपनियों और निदेशकों को चार साल के लिए प्रतिबंधित करने के अलावा, उन्हें 15 प्रतिशत की दर से सालाना ब्याज के साथ पैसा वापस करने के लिए कहा गया था लेकिन ऐसा नहीं किए जाने पर बाजार नियामक ने इन कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई शुरू की। संपत्तियों की बिक्री इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

लगातार तीसरे सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में आई कमी, गोल्ड रिजर्व बढ़ा

मुंबई (एजेंसी):

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट जारी रही। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 10 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.7 करोड़ डॉलर घटकर 635.828 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े के अनुसार इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1,783 अरब डॉलर घटकर 635.905 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 10 दिसंबर को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट आना था जो कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, सप्ताह के दौरान एफसीए 32.1 करोड़ डॉलर घटकर 572.86 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशीमुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 29.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 38.709 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 3.7 करोड़ डॉलर घटकर 19.089 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार एक करोड़ डॉलर घटकर 5.17 अरब डॉलर रह गया।

नई गाड़ी खरीदने के लिए लाइन में 7 लाख लोग, नहीं हो रही डिलीवरी

(एजेंसी):

कोरोना महामारी की मार के बाद ऑटोमोबाइल सेक्टर ने तेजी से वापसी की है। गाड़ियों की मांग में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है। आलम ये है कि ऑटो सेक्टर गाड़ियों की बढ़ती डिमांड को पूरा नहीं कर रहा है और लोगों को नई गाड़ी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। अभी देश के 7 लाख लोग अपनी कार की डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं।अगर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इन 7 लाख लोगों ने गाड़ी खरीदने के लिए बुकिंग कराई हुई है लेकिन अभी तक कार की डिलीवरी नहीं मिली है। ऐसा नहीं है कि ये लोग किसी खास गाड़ी की डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं, बल्कि हर प्रकार की गाड़ियों की वेटिंग लिस्ट लंबी होती जा रही है। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा के एक-एक लाख लोग कार डिलीवरी की वेटिंग लिस्ट में है। किआ मोटर्स के 75 हजार ग्राहक वेटिंग लिस्ट में हैं। कंपनियां कार डिलीवर नहीं कर पा रही हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर इन दिनों सेमीकंडक्टर चिप की कमी से जूझ रहा है। बताया जा रहा है कि सेमीकंडक्टर चिप की कमी की वजह से दुनियाभर की 170 इंडस्ट्रीज परेशान हैं। इनमें से एक ऑटो सेक्टर भी है।

150 लाख करोड़ का नुकसान

सेमीकंडक्टर चिप की भारी कमी के कारण इस साल ऑटो इंडस्ट्री को करीब 150 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। जापान की कंपनी टोयोटा को भी चिप की कमी के कारण नुकसान हो रहा है।

1 जनवरी से महंगी हो जाएंगी Skoda की गाड़ियां, 3% तक बढ़ जाएगी इन कारों की कीमत

(एजेंसी):

वाहन विनिर्माता कंपनी स्कोडा ऑटो ने शुक्रवार को अपनी सभी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया। एक जनवरी, 2022 से स्कोडा की गाड़ियों की कीमत 3 फीसदी तक बढ़ जाएगी। कंपनी इंडियन मार्केट में कुशक, कोडिएक, ऑक्टाविया समेत अनेक मॉडल की ब्रिकी करती है। स्कोडा ऑटो ब्रांड के डायरेक्टर जैक हॉलिस ने एक बयान में कहा कि एक जनवरी, 2022 से कंपनी अपने गाड़ियों की कीमत बढ़ाने जा रही है। उन्होंने कहा कि इनपुट और परिचालन लागतों के बढ़ने से गाड़ियों की कीमत बढ़ानी पड़ रही है। हॉलिस ने कहा कि मैक्रो-इकोनॉमिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने यह कोशिश की है कि लागतों में बढ़ोतरी का ग्राहकों पर कम से कम असर डाला जाए। पिछले एक साल में कच्चे माल जैसे स्टील, एल्युमीनियम, कॉपर और कीमती धातुओं के दाम लगातार बढ़े हैं जिससे वाहन निर्माताओं ने अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है। मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और होंडा कार्स समेत वाहन निर्माता कंपनियों ने पहले ही अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने के संकेत दे दिए हैं। अब स्कोडा भी इस सूची में शामिल हो गई है।

सेमीकंडक्टर की कमी और कच्चे माल महंगा होने से लागत पर दबाव

दरअसल देश में भले ही अभी गाड़ियों की मांग कम है लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी और कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से वाहन निर्माता कंपनियों को दाम बढ़ाना पड़ा है। उम्मीद है कि इकोनॉमी में रिकवरी की रफ्तार तेज होने के साथ ही नई गाड़ियों की मांग बढ़ेगी। हालांकि सेकेंड हैंड कार मार्केट में दाम काफी बढ़ रहे हैं। दरअसल कोरोना के दौर में लोग सार्वजनिक गाड़ियों में सफर करने के बजाय पर्सनल मोबिलिटी का सहारा ले रहे हैं। इसलिए सेकेंड हैंड कारों का बाजार फिलहाल गर्म है।

कोविड को देखते हुए एशेज में खिलाड़ियों पर लगाई गई पाबंदी

एडिलेड। कोविड-19 के खतरे से बचे रहने के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों से मेलबर्न क्रिकेट मैदान में तीसरे और चौथे एशेज टेस्ट के दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने को कहा है।शनिवार को द ऐज डॉट कॉम डॉट एयू की एक रिपोर्ट के अनुसार, सीए द्वारा मेलबर्न और सिडनी में अगले दो टेस्ट में खिलाड़ियों के लिए लेवल-फॉर प्रोटोकॉल रखा गया है, जो प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ियों को घर के अंदर खाने या बार में जाने से रोकेगा।दो टेस्ट मैचों में दिन का खेल समाप्त होने के बाद घर जाने के इच्छुक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को नियमित कोविड-19 परीक्षण कराने और बाल कटाने के लिए सैलून नहीं जाने के निर्देश दिए गए है। रिपोर्ट में कहा गया है टेस्ट और बिग बैश (लीग) में क्रिकेटरों को एनएसडब्ल्यू और विक्टोरिया में ऑटोग्राफ देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। एडिलेड टेस्ट की पूर्व संध्या पर लिटिल हंटर स्टीकहाउस में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ गए थे, जिससे उन्हें एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, सीए चयन पैनल को राहत तब मिली जब शनिवार को उन्हें पता चला कि कमिंस की कोविड रिपोर्ट निगेटिव आई है और वह 26 दिसंबर से शुरू होने वाले एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम में खेलेंगे।

एशियाई चैम्पियन्स ट्रॉफी: सेमीफाइनल में जगह तय कर चुके भारत का सामना जापान से

ढाका (एजेंसी)।

सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद गत चैम्पियन भारत रविवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के अपने आखिरी राउंड रोबिन मैच में रविवार को जब जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा तो टीम की कोशिश जीत के क्रम जारी रखने की होगी। टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने लगातार दो जीत के साथ पांच टीमों के टूर्नामेंट में लय हासिल कर ली। ओलंपिक के ऐतिहासिक अभियान के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम को शुरुआती मैच में कोरिया ने 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हालांकि शानदार वापसी की और मेजबान बांग्लादेश को 9-0 से रौंदने के बाद शुक्रवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। भारत तीन मैचों में सात अंक के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है। कोरिया (पांच) दूसरे, जापान (दो) तीसरे और पाकिस्तान (एक) के साथ चौथे स्थान पर है। टूर्नामेंट में खिताब के दावेदार के तौर पर आयी भारतीय टीम अपनी मौजूदा लय और विश्व रैंकिंग के मामले में अन्य टीमों से काफी आगे है। कोरिया ने हालांकि शुरुआती मैच में उसकी दो गोल की बढ़त को खत्म कर मैच को बराबरी पर रोक दिया था। कोरिया के खिलाफ मैच भारतीयों के लिए एक तरह से चेतावनी की तरह था। टीम बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से अलग दिखी और मैच के 60 मिनट तक मैदान में उसका दबदबा कायम रहा। पड़ोसी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के करीबी मुकाबला होने की उम्मीद थी और आखिरी दो क्वार्टर में ऐसा ही हुआ। इस मैच में भारत के दबदबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पहले दो क्वार्टर में पेनल्टी कार्नर हासिल करना तो दूर गोल पर एक भी शॉट लगाने में कामयाब नहीं रहा। पाकिस्तान ने हालांकि आखिरी दो क्वार्टर में वापसी की और इसमें अंतिम 15 मिनट में उसने काफी बेहतर प्रदर्शन किया और भारत को कड़ी टक्कर दी। ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह और दिलप्रीत सिंह ने भारतीय अग्रिम पंक्ति में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है तो वही मिडफील्ड को कप्तान मनप्रीत सिंह और रक्षापंक्ति को उप-कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मजबूती दी है। इन सबके के साथ भारत के युवा गोलकीपर सूरज करकेरा ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने खासकर पाकिस्तान को कई मौकों पर गोल करने से

रोक कर भारत की बढ़त को बनाये रखने में मदद की। हाल के मैचों के रिकॉर्ड को देखे तो जापान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी रहेगा। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले में उसे 5-3 से हराया था। अंतरराष्ट्रीय हॉकी में हालांकि रिकॉर्ड और रैंकिंग मायने नहीं रखते है क्योंकि मैदान में एक बुरा दिन पिछली सारी मेहनत को खराब कर सकता है।

गौतम गंभीर की आईपीएल में वापसी, लखनऊ फ्रेंचाइजी के बने मेंटोर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2022 से पहले शनिवार को नई लखनऊ फ्रेंचाइजी का मेंटोर नियुक्त किया गया। दिल्ली के सांसद गंभीर अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दो आईपीएल खिताब दिला चुके हैं। गंभीर ने एक बयान में कहा- डा संजीव गोयंका और आरपीएसजी ग्रुप का मुझे अपनी टीम में यह शानदार मौका देने के लिए शुक्रिया। समझा जाता है कि गौतम के साथ उनके एक बार के दिल्ली और कोलकाता टीम के साथी विजय दहिया भी फ्रेंचाइजी में शामिल हुए हैं। पूर्व भारतीय विकेटकीपर विजय को सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य टीम के मुख्य कोच हैं। संजीव गोयनका ने टीम में गौतम का स्वागत करते हुए उनके बेदाग करियर की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं उनके क्रिकेटिंग दिमाग का सम्मान करता हूं और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। वहीं गौतम ने इस बारे में कहा- डॉ. गोयनका और आरपीएसजी ग्रुप को उनके सेटअप में मुझे यह शानदार अवसर प्रदान करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। एक प्रतियोगिता जीतने की आग अभी भी मेरे अंदर जलती है। एक विजेता की विरासत छोडने की इच्छा अभी भी मुझे चौबीसों घंटे बेचैन करती है। मैं ड्रेसिंग रूम के लिए नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की आत्मा और साहस के लिए प्रतिस्पर्धा करूंगा। उल्लेखनीय है कि 40 वर्षीय गौतम ने नौ साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वहीं उन्होंने 10 सीजन तक आईपीएल खेला, जिसमें उन्होंने 154 मैचों में दिल्ली और कोलकाता की टीमों का प्रतिनिधित्व किया।

स्टेडियम में दर्शकों ने लगाई आग, बीच में ही रोकना पड़ा मैच

पेरिस । दर्शकों की हिंसा के कारण लियोन और पेरिस एफसी के बीच खेले गए फ्रेंच कप फुटबॉल मैच को बीच में रोकना पड़ा। मैच के मध्यांतर के समय जब स्कोर 1-1 की बराबरी पर था तभी दोनों टीम के समर्थक दर्शक दीर्घा में एक-दूसरे से भिड़ गए। इस दौरान स्टेडियम में कुछ जगहों पर आग भी लगा दी गई। स्टेड चार्लेटी स्टेडियम में दूसरे हाफ की शुरुआत में लगभग 50 मिनट की देरी हुई। इसके बाद भी जब स्थिति नियंत्रित नहीं हुई तो स्टेडियम के अधिकारियों ने मैच स्थगित करने की घोषणा कर दी। पेरिस एफसी के अध्यक्ष पियरे फेरेसी ने इस घटना के लिए लियोन को दोषी करार दिया तो वही लियोन के अध्यक्ष जीन-मिशेल औलास ने अपने क्लब के समर्थकों का बचाव किया।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए केएल राहुल बने टेस्ट टीम के उपकप्तान

जोहान्सबर्ग (एजेंसी).

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को घोषणा की है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम का उपकप्तान बनाया गया है। विराट कोहली के लिए राहुल को उपकप्तान रोहित शर्मा के सीरीज से बाहर होने के बाद बनाया गया है। इससे पहले, टेस्ट में शर्मा को अजिंक्य रहाणे की जगह उपकप्तान बनाया गया था। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा, अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल को उपकप्तान के रूप में नामित किया है। 2014 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 29 वर्षीय राहुल ने अब तक 40 मैच खेले हैं और 35.16 की औसत से 2321 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम छह शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। राहुल को उपकप्तान बनाए जाने पर यह भी स्पष्ट हो गया कि वह भारतीय टीम कुछ अच्छे खिलाड़ियों में एक है, जिन्हें भविष्य में लीडर के रूप में भी देखा जा सकता है। राहुल ने आईपीएल 2020 और 2021 में पंजाब किंग्स की कप्तानी की थी और अगर लखनऊ फ्रेंचाइजी उन्हें आईपीएल 2022 की नीलामी से पहले ड्राफ्ट के माध्यम से चुनती है तो उन्हें इसी तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जाता है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में अपना अभ्यास सत्र शुरू कर दिया है। तीन मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा मैच 3 से 7 जनवरी तक जोहान्सबर्ग में होगा और 11 से 15 जनवरी तक केपटाउन में अंतिम टेस्ट मैच का आयोजन किया जाएगा।

भारत की टेस्ट टीम :

विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, प्रियांक पांचाल, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज।

संक्षिप्त समाचार

विराट के बचाव में उतरें कीर्ति आजाद , चयनकर्ताओं पर भड़के

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने कीर्ति आजाद ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि जितने भी चयनकर्ता हैं उनमें से किसी ने भी विराट से आधा भी नहीं खेला है। आजाद ने कहा कि अगर आप किसी भी प्रारुप में कप्तान को बदलते हैं या फिर बदलने वाले हैं तो इसकी जानकारी बीसीसीआई अध्यक्ष को दी जाती है। इसलिए अगर इस बारे में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को पता था तो वह विराट से इस मामले में बात कर सकते थे। साथ ही कहा कि विराट नाराज नजर नहीं आ रहे है पर जिस तरह से उन्हें कप्तानी से हटाया गया उससे वह निराश हो सकते है। आजाद ने साथ ही कहा कि अगर रोहित और विराट एक साथ भारतीय टीम के लिए नहीं खेलते तो इससे भारतीय टीम को ही नुकसान होगा। जो भी खिलाड़ी कप्तान रहेगा वह दूसरे को हटा देगा। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा नहीं है जिसे हटाया नहीं जा सकता है। आजाद ने यह भी कहा कि भारत के लिए पहले भी कई महान खिलाड़ी हुए हैं और वे भी अंत में हटाये गये थे। सुनील गावस्कर, कपिलदेव, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ी भी बाहर होने से बच नहीं सके थे। इसलिए इस मामले में बीसीसीआई को विराट से बात कर हल निकालना चाहिये जिससे वह और रोहित मिल कर भारतीय टीम के लिए अपना योगदान दें .

जोहान्सबर्ग में भारतीय टीम ने ट्रेनिंग सत्र में लिया हिस्सा

जोहान्सबर्ग। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शनिवार को जोहान्सबर्ग में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सभी क्रिकेटरों और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने हिस्सा लिया। इस दौरान, सब फुट वॉली खेलने के साथ एक-दूसरे से मजाक करते दिखे। भारतीय टीम 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका में है, जिसके बाद तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में क्रिकेटरों का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें नए मुख्य कोच द्रविड़ खिलाड़ियों के साथ फुट वॉली खेलते नजर आ रहे हैं। बीसीसीआई ने ट्विटर पर लिखा, टीम इंडिया ने जोहान्सबर्ग में अपने पहले प्रशिक्षण सत्र के दौरान खुद को तरोताजा किया। भारत के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई ने कहा कि मुंबई में तीन दिनों के क्वारंटीन के बाद, एक कठिन सत्र का आयोजन करना सही नहीं होता, इसलिए खिलाड़ियों के लिए आसान ट्रेनिंग सत्र का आयोजन किया गया। देसाई ने कहा, मुंबई में हम तीन दिनों तक क्वारंटीन में रहे और इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के लिए 10 घंटे की लंबी उड़ान भरी है। इस बीच, यहां आने के बाद भी हमें क्वारंटीन में रहना पड़ा, जिसके बाद खिलाड़ियों के लिए एक कठिन सत्र का आयोजन करना सही नहीं होता, इसलिए हमने एक आसान ट्रेनिंग सत्र का आयोजन किया गया। देसाई ने कहा कि उनका सबसे बड़ा काम खिलाड़ियों को जोहान्सबर्ग की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा।

बीसीसीआई के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी अभिजीत साल्वी का इस्तीफा

मुंबई (एजेंसी)।

अगले महीने होने वाले राष्ट्रीय अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट विजय मर्चेंट ट्रॉफी में उम्र का घपला करने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने की संभावना बढ़ गई है क्योंकि बीसीसीआई के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अभिजीत साल्वी ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। उनके ऊपर ही खिलाड़ियों के उम्र परीक्षण और सत्यापन की जिम्मेदारी थी। पता चला चला है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज़ ख़त्म होने के बाद 7 दिसंबर को ही इस्तीफ़ा दे दिया था। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सूचना को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है। इसके अलावा बोर्ड की तरफ से उनके जगह को भरने के लिए कोई विज्ञप्ति भी नहीं जारी की है।

इससे सवाल उठता है कि अगले महीने 9 जनवरी से होने वाले 36 टीमों के राष्ट्रीय अंडर-16 टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का उम्र परीक्षण और सत्यापन कौन करेगा? साल्वी को'बोन डेंसिटी टेस्ट' के लिए जाना जाता है, जिससे कलाइयों के हड्डी से किसी के भी असल उम्र का पता लग सकता है। अगर बीसीसीआई किसी चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति नहीं करता है, तो इस टूर्नामेंट में उम्र की धांधली करने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ सकती है और योग्य खिलाड़ी भी प्रतियोगिता से बाहर हो सकते हैं। इससे भविष्य में उनके अंडर-19 खेलने पर भी ख़तरा मंडरा सकता है। भारत के वर्तमान कोच और युवा खिलाड़ियों के साथ लंबा समय गुज़ार चुके राहुल द्रविड़ ने उम्र-सीमा में होने वाली धांधली को भारतीय क्रिकेट के लिए एक 'जहरीली प्रक्रिया' कहा था। उल्लेखनीय है कि साल्वी 2012 में बोर्ड के साथ जुड़े थे और बोर्ड की मेडिकल टीम में वन मैन आर्मी थे। मेडिकल टीम के साथ-साथ उन पर एंटी डोपिंग विंग का भी प्रभार था। वह इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हुए टी20 विश्व कप के भी मुख्य चिकित्साधिकारी थे।

वह भारत के पिछले ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका दौरे पर टीम डॉक्टर भी थे। हालांकि दक्षिण अफ़्रीका दौरे पर वह नहीं जाने वाले थे और बोर्ड ने चार्ल्स मिंज़ को इस दौरे के लिए टीम डॉक्टर नियुक्त किया है। कोरोना महामारी के दौरान साल्वी की ज़िम्मेदारियां और बढ़ गई थी।

ऑस्ट्रेलिया पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की आलोचना की

एडिलेड (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट की पहली पारी के दौरान इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की आलोचना की है। उन्होंने विशेष रूप से जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड द्वारा अपनाई गई रणनीति को लेकर भी कहा है। पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रीज पर अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाए, जिससे उनके लिए विकेट लेने के अवसर कम हो गए। पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड ने बिना किसी योजना के गेंदबाजी क्रम जारी रखा जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज विशाल स्कोर खड़ा करने में पीछे नहीं हटे। पोंटिंग ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू को बताया, स्टोक्स ने पहले दिन बल्लेबाजों को शार्ट बॉल फेंकी, जिससे वे कामयाब नहीं हुए। हालांकि दूसरे दिन उन्होंने अपनी लाइन और लेंथ को बदला जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए। पोंटिंग ने शनिवार को क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से कहा, ठीक है, जब आप दुनिया के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में से दो को गेंदबाजी कर रहे हैं, तो बल्लेबाज कोई गलती नहीं करेंगे। आपको उन्हें आउट करने और गेंदबाजी को बदलने का नया तरीका खोजना होगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को बैक-ऑफ-ए-लेंथ या बेहद छोटी डिलीवरी के साथ गेंदबाजी करने की कोशिश की जिसमें, सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95), मार्नस लाबुस्चागने (103), स्टैंड-इन कप्तान स्टीव स्मिथ (93) ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, एलेक्स कैरी (51) ने भी गेंदबाजों के लय को तोड़ते हुए शानदार अर्धशतक लगाते हुए अपनी पारी को समाप्त किया। पोंटिंग ने महसूस किया कि इंग्लैंड गेंदबाजों को गेंद स्विंग कराने के लिए पूरी लेंथ का इस्तेमाल करना चाहिए था। उन्हें यकीन नहीं था कि कप्तान रूट एंडरसन और ब्रॉड को शॉर्ट गेंदबाजी करने का निर्देश दे रहे थे।

कोविड-19 की चिंताओं और मैचों के स्थगित होने पर ईपीएल प्रबंधकों की बैठक

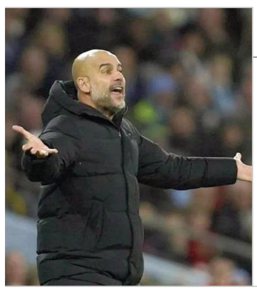

लंदन (एजेंसी) ।

कोविड-19 की बिगड़ती स्थिति पर चर्चा करने के लिए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के प्रबंधक सोमवार को मुलाकात करेंगे, जिसकी वजह से इस सप्ताहांत के कई मैचों को स्थगित करना पड़ा और टीमों को कई स्टार खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिल पा रही है। कोविड-19 के नए ओमीक्रोन स्वरूप के क्लबों में बढ़ते मामले और ब्रिटेन में बिगड़ते स्वास्थ्य आपातकाल को लेकर लीग को जारी रखने या स्थगित करने पर फैसला करने के लिए बैठक करेंगे। एस्टन विला के प्रबंधक स्टीवन गेरार्ड ने कहा कि जाहिर है हमारी बहुत सारी चिंताएँ हैं और हमें बहुत सारे प्रश्नों के जवाब चाहिए। लीवरपूल के पूर्व कप्तान रहे गेरार्ड ने कहा कि क्लब के कप्तान भी बातचीत करने की योजना बना रहे हैं। चेल्सी के प्रबंधक थॉमस ट्यूशेल ने कहा कि उन्होंने नियम पढ़ लिए हैं और इसे भूल भी गए है।

आयरलैंड के इतने खिलाड़ी आए कोरोना पॉजिटिव, अमेरिका और वेस्टइंडीज दौरा खतरे में

डबलिन (एजेंसी) ।

आयरलैंड के चार खिलाड़ी और एक सहायक कोच कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इससे उनके अमेरिका और कैरेबियन दौरे पर खतरा मंडराने लगा है, जहां उन्हें टी20 और वनडे सीरीज खेलना था। हालांकि इस बीच आयरिश टीम अमेरिका के मियामी में पहुंच चुकी है और बोर्ड ने कहा है कि दौरा जारी रहेगा। क्रिकेट आयरलैंड ने कहा कि दौरे पर रवाना होने से पहले दल के सभी सदस्यों का कोरोना परीक्षण किया गया जिसमें जॉर्ज डॉकरेल और बैरी मक्कार्थी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इन दोनों खिलाड़ियों को आयरलैंड में ही रोक लिया गया और वे आइसोलेशन में हैं। इन खिलाड़ियों के नज़दीकी संपर्क में होने के कारण क्रेग यंग को भी आयरलैंड में ही रोक लिया गया है। आयरलैंड के सरकारी नियमानुसार 10 दिन का आइसोलेशन पूरा होने और कोरोना निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद ही ये खिलाड़ी फिर से टीम से जुड़ने के लिए अमेरिका रवाना हो सकते हैं। वहीं टीम के असिस्टेंट कोच गैरी विल्सन को भी फाल्स पॉजिटिव होने के कारण आयरलैंड में ही रूकना पड़ा। रविवार को निगेटिव टेस्ट रिज़ल्ट आने के बाद ही वह अमेरिका के लिए रवाना हो सकेंगे। दौरे पर गए अन्य खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का कोरोना टेस्ट निगेटिव आया है। वहीं अमेरिका के फ्लोरिडा में ही टी20 टूर्नामेंट खेल रहे हैरी टेक्टर और गैरेथ डेलानी का भी टीम से जुड़ने से पहले कोरोना टेस्ट कराया गया, जिसमें वह कोविड पॉजीटिव निकले। उन्हें 10 दिन के आइसोलेशन में रखा गया है।हालांकि क्रिकेट आयरलैंड के निदेशक रिचर्ड होल्ड्सवर्थ ने सीरीज़ पर किसी भी तरह का खतरा होने से इनकार किया है।

उन्होंने कहा कि टीम को मजबूती देने के लिए लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में खेल रहे तेज़ गेंदबाज़ जॉश लिटिल को अमेरिका बुला लिया गया है। आयरलैंड को 22 दिसंबर से 31 दिसंबर के बीच अमेरिका के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे खेलने हैं। इसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ कैरेबियन में 8 जनवरी से 14 जनवरी के बीच तीन वनडे और 17 जनवरी को एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलना है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहेंगे पैट कमिंस

एडिलेड। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में टीम का हिस्सा रहेंगे। कोविड संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से वह एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ हो रहे दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे। कमिंस ने मौजूदा टेस्ट की पूर्व संध्या पर न्यू साउथ वेल्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के तेज गेंदबाज हैरी कॉनवे के साथ लिटिल हंटर स्टीकहाउस में भोजन किया था, जिसके बाद वे प्लेइंग इलेवन में हिस्सा नहीं थे। उनकी जगह माइकल नेसर मौजूदा टेस्ट में खेल रहे हैं। कमिंस का संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद कोविड टेस्ट किया गया था, जिसमें उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा था कि एडिलेड टेस्ट से बाहर होने के बाद कमिंस चार्टर्ड फ्लाइट से सिडनी गए थे। उन्हें दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा एनएसडब्ल्यू में स्वदेश लौटने की अनुमति दी गई थी।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

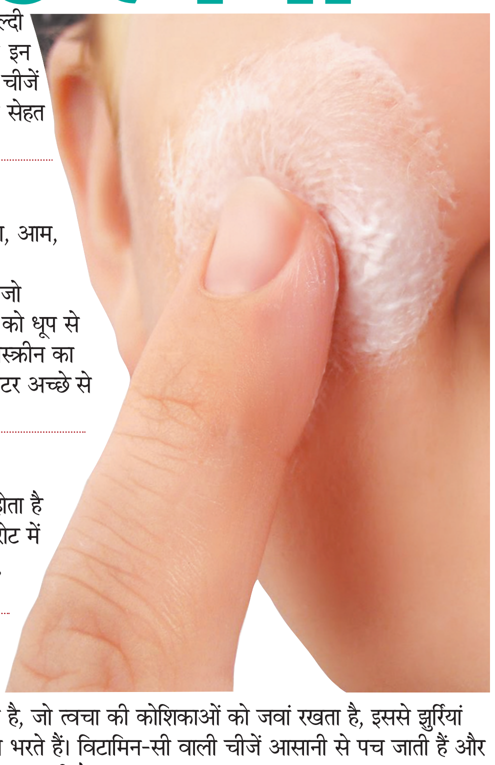

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर
फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें –

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।
उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।
उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।
उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।
उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

सार समाचार

पाकिस्तान के कराची में हुए धमाके में 10 लोगों की मौत, 12 अन्य जख्मी, जांच में जुटी पुलिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची के शेरशाह पाराचा चौक इलाके में शनिवार की दोपहर धमाका हुआ। इस धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई अन्य जख्मी बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कराची के शेरशाह पाराचा चौक इलाके की एक इमारत में धमाका हुआ। जिसकी वजह से आस-पास मौजूद कई इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल सुरक्षा एवं बचावकर्मी मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। समाचार एजेंसी ने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से जानकारी दी कि कराची के शेरशाह पाराचा चौक इलाके में आज दोपहर एक इमारत में हुए धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बम धमाके में कम से कम 12 लोग जख्मी हो गए हैं। हालांकि आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं दूसरी तरफ मौके पर पहुंची पुलिस बम धमाके के पीछे के कारणों का पता कर रही है।

दूल्हे के सामने दुल्हन ने बैकलेस ड्रेस में लगाए जबरदस्त ठुमके, वेडिंग रिसेप्शन में अश्लील डांस देखकर हैरान हुए लोग

हर कोई अपनी शादी को यादगार बनाने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहता हैं, पर स्पेशल करने के चक्कर में अक्सर चीजें खराब भी हो जाती हैं। ऐसा ही कुछ फ्लोरिडा की रहने वाली एक महिला के साथ हुआ। वेडिंग रिसेप्शन पर महिला ने अपने पति को खुश करने के लिए बैकलेस ड्रेस पहनकर ऐसा जबरदस्त डांस किया जिसे देखकर मेहमानों के होश उड़ गए। सोशल मीडिया पर उनके डांस का वीडियो भी वायरल हो गया। वीडियो लोगों को बिलकुल पसंद नहीं आ रहा और लोग दुल्हन और उनके डांस की जमकर आलोचना कर रहे हैं। रिसेप्शन में आए एक मेहमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डांस का वीडियो शेयर किया। देखते ही देखते वीडियो आग की तरफ इंटरनेट पर फैल गया। वीडियो में आप देखेंगे कि दूल्हा कुर्सी पर बैठा हुआ हैं, दुल्हन ब्लैकलेस ड्रेस पहने हुए दूल्हे के चारों ओर घूमकर डांस करने लगती है, जैसे जैसे दुल्हन का अपना डांस आगे बढाती है उसे देखकर रिसेप्शन में आए मेहमान चौक जाते हैं। रिसेप्शन में आए कुछ मेहमान दुल्हन को चीयर भी करते दिखे। वीडियो में दुल्हन अपनी ब्राइडमैड्स के साथ कभी दूल्हे की गोद में तो कभी फ्लोर के बीच में बैठकर लैपडांस करती नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि लैपडांस को स्ट्रिप क्लबों में ग्राहकों को रिझाने के लिए किया जाता है। ऐसे में वेडिंग रिसेप्शन पर दुल्हन का ऐसा डांस देखकर लोग उनपर भड़क गए और सोशल मीडिया पर उनके लिए गंदे गंदे कमेंट कर दिए। जहाँ एक तरफ लोग दुल्हन के लिए अश्लील, गन्दी जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक ट्विटर यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'लोग बस कुछ भी करते हैं, हर चीज के लिए एक समय और जगह है'। एक अन्य ने लिखा, 'यह बहुत गन्दा हैं'। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग ब्राइड का बचाव करते नजर आए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'तुम्हारी शादी, तुम्हारे नियम'। एक अन्य ने लिखा, 'लोग वही कर रहे हैं जो उनकी शादी के दिन उन्हें खुश करता है'। वीडियो को अब तक 3 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का आरोप, यहूदी अब इजरायल से प्यार नहीं करते

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही सत्ता में न हो लेकिन सुर्खियों में जरूर बने हुए हैं। अब ट्रप पर 'यहूदी-विरोधी होने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने दावा किया था कि अमेरिका में रहने वाले 'यहूदी अब इजरायल से प्यार नहीं करते' बल्कि इंजील ईसाई उनसे ज्यादा प्यार करते हैं। ट्रंप ने कहा कि पहले कांग्रेस पर इजरायल का पूर्ण अधिकार था और आज मुझे लगता है कि यह ठीक विपरीत है। ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि ओबामा और बाइडन इसके लिए जिम्मेदार हैं।फिर भी चुनाव में उन्हें अभी भी यहूदी लोगों से बहुत अधिक वोट मिलते हैं। जो बताता है कि अमेरिका में यहूदी लोग या तो इजरायल को पसंद नहीं करते हैं या इजरायल की परवाह नहीं करते हैं।

ट्रंप ने सुल्जबर्गर परिवार का उल्लेख कर रहे थे, जिसने कई पीढ़ियों तक अखबार को प्रकाशित किया। हालांकि अखबार के प्रकाशक आर्थर ओच्स सुल्ज़बर्गर जूनियर यहूदी नहीं हैं। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर यहूदी हैं, साथ ही उनकी बेटी इवांका भी यहूदी हैं, जिन्होंने शादी के बाद धर्म परिवर्तन किया था। लेकिन ट्रंप ने कथित तौर पर अपने दामाद पर इजरायल के प्रति 'बहुत वफादार' होने का आरोप लगाया है। इजरायल के लिए डेमोक्रेटिक मेजोरिटी ने पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणी को 'यहूदी विरोधी' करार दिया है।ट्विटर पर जारी बयान में कहा गया कि हम आंखें नहीं मूंद सकते हैं। हर निर्वाचित रिपब्लिकन जो अभी भी उनके साथ खड़ा है, उन्हें इस खतरनाक बयानबाजी का जवाब देना चाहिए और इसकी कड़ी से कड़ी निंदा करनी चाहिए। यह रूढ़िवादी और परेशान करने वाली बात है।

अफगान राजदूत ने दिया इसतीफा, तालिबान ने की यूएन सीट के लिए अपील

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की पूर्व सरकार के राजदूत गुलाम इसाकजई ने वर्तमान के तालिबानी शासकों द्वारा उनके स्थान पर अपने राजदूत को नियुक्त करने की कोशिशों के बीच पद से इस्तीफा दे दिया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि इसाकजई ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र को बताया कि उन्होंने एक दिन पहले अपना पद छोड़ दिया है। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के मिशन ने ट्वीट किया कि नसीर फैक अस्थायी प्रभारी राजदूत के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। मिशन ने कहा कि वह '' संयुक्त राष्ट्र में अपने लोगों की चिंताओं और वैध मांगों को उठाता रहेगा।'' तालिबानी नेता लंबे वक्त से अपने प्रतिनिधि मोहम्मद सुहेल शाहीन को इस पद पर नियुक्त करने की कोशिश कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक रहे इसाकजई को पिछले जून में राष्ट्रपति अशरफ गनी ने नियुक्त किया था, जिनकी सरकार को तालिबान ने 15 अगस्त को अमेरिका और नाटो सैनिकों की अचानक वापसी के बीच हटा दिया था। तालिबान ने इस पद पर बने रहने के लिए इसाकजई की साख को चुनौती दी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाए जाने से इसाकजई पद पर बने हुए थे। इसाकजई ने इस पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर पाकिस्तान को बर्बाद करने का आरोप लगाया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों भुट्टो और शरीफ परिवार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है और पाकिस्तान को बर्बाद किया है। पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) पर शनिवार को प्रसारित समाचार चैनल 'अल जजीरा' को दिए साक्षात्कार में खान ने कहा कि पाकिस्तान संसाधनों के मामले में धनी था लेकिन भुट्टो और शरीफ परिवारों ने उनका गलत तरीके से इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख खान ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) और दिवंगत नेता बेनजीर भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) पर निशाना साधते हुए कहा कि ये वंशवादी पार्टियां हैं जो ''भ्रष्टाचार और देश के लोगों के सामने आज खड़ी परेशानियों की वजह हैं।'' उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार सबसे बढ़ी बुराई थी और उन्होंने अपने पुराने विचार को दोहराया कि विकासशील देशों के धनी लोग अपने लोगों को गरीब बनाकर सारे संसाधन पश्चिमी देशों को दे रहे हैं। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार खान ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि पाकिस्तान एक समृद्ध देश बने और वह दो बेहद धनी परिवारों के खिलाफ लड़ रही है।

खान ने कहा, ''भ्रष्टाचार देश को बर्बाद करता है। गरीब देश इसलिए गरीब नहीं है, क्योंकि उनके पास संसाधन नहीं है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि उनका नेतृत्व भ्रष्ट है।'' अपने इलाज के सिलसिले में फिलहाल लंदन में रह रहे पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ पर पाकिस्तान में भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेनजीर भुट्टो के पति आसिफ अली जरदारी के खिलाफ भी भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे तो मैं खुद पारदर्शी जांच कराऊंगा।'' क्रिकेट से राजनीति में आए खान ने कहा कि ब्रिटेन में लंबे प्रवास के दौरान उन्होंने पश्चिमी दुनिया की राजनीतिक प्रणाली को बहुत अच्छी तरह समझा है और पश्चिमी ताकतों की राजनीति की हमेशा आलोचना की है। खान ने कहा कि उनकी सरकार कश्मीर मुद्दे को हर मंच पर उठाएगी।

भारत ने हमेशा ही पाकिस्तान द्वारा 'जम्मू-कश्मीर' के संबंध में दिए गए सभी संदर्भों को खारिज किया है और उसका कहना है कि वह भारत का ''अभिन्न और अविभाज्य'' हिस्सा है। भारत ने बार-बार पाकिस्तान से कहा है कि वह देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे। अफगान संकट पर चिंता जताते हुए खान ने कहा कि पड़ोसी देश में लोग भूख से मर रहे हैं और अमेरिका को उनकी सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 9/11 (11 सितंबर 2001) के आतंकवादी हमलों में कोई अफगान शामिल नहीं था, इसके बावजूद अमेरिका ने अज्ञात कारणों से अफगानिस्तान पर हमला किया।

उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता है कि अमेरिका अफगानिस्तान में क्या हासिल करना चाहता था। तथाकथित युद्ध (आतंकवाद के खिलाफ) के नाम पर उन्होंने 20 साल तक देश पर कब्जा जमाए रखा। अगर लक्ष्य सिर्फ अलकायदा को खत्म करना था, तो वह दो साल में ही पूरा हो गया था।''

प्यार में लोगों को दीवाने होते तो सुना था, लेकिन चीन प्रेम ने तो पाकिस्तान को दिवालिया बना दिया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

प्यार में तो लोगों को दीवाना होते कई बार सुना है। लेकिन पाकिस्तान एकलौता ऐसा देश है जो अपने चीन प्रेम की वजह से दिवालिया हो चुका है। ये तो कई दिनों से सामने आ रहा है कि सरकार के पास देश चलाने के लिए भी पैसे नहीं है। पाकिस्तानी कप्तान ने स्वीकारा है कि उनकी हुकूमत के पास देश चलाने तक के लिए पैसा नहीं है। इसलिए विदेशों के सामने झोली फैलानी पड़ रही है। लेकिन अब आतंक के पनाहगाह वाले देश के दिवालिया होने की बात भी सामने आने लगी है और इसकी वजह है चीन का महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट। दरअसल, पाकिस्तान के संघीय राजस्व बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शब्बर जैदी ने कहा है कि उनका देश 'दिवालिया' हो चुका है और 'भ्रम में रहने' से बेहतर है कि वास्तविकता को पहचाना जाए।

बता दें कि जैदी 10 मई 2019 से छह जनवरी 2020 तक शीर्ष कर प्राधिकरण के अध्यक्ष थे। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजना में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि वह खुद अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि सीपीईसी क्या है। उन्होंने हां हमदर्द विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में हर कोई कह रहा है कि सब कुछ अच्छा है, जबकि उनके विचार में इस समय पाकिस्तान दिवालिया है।

पाकिस्तान की माली हालत खस्ता है और पाकिस्तान फेडरल बोर्ड ऑफ रेवन्यू के पहले टैक एंड ट्रेस सिस्टम उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा कि देश चलाने के लिए पर्याप्त पैसा न होना सबसे बड़ी चुनौती है जिसकी वजह से उधार लेना पड़ता है। इमरान खान ने पैसों की तंगी की वजह टैक्स कलेक्शन में कमी और बढ़ते विदेशी कर्ज को बताते हुए कहा कि ये पाकिस्तान की सुरक्षा का राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है।

बोरिस जॉनसन ने स्वीकार की कंजरवेटिव पार्टी की करारी हार की जिम्मेदारी, दिया बड़ा बयान

लंदन। (एजेंसी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शुक्रवार को उपचुनाव में अपनी कंजरवेटिव पार्टी की करारी हार की व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वीकार कर ली। इस उपचुनाव को डाउनिंग स्ट्रीट में जॉनसन के नेतृत्व पर जनमत संग्रह की संज्ञा दी गयी थी। कंजरवेटिव पार्टी (टोरी पार्टी) का मजबूत किला कही जाने वाली सीट नॉर्थ श्रॉपशायर के संसद सदस्य ओवेन पीटरसन के इस्तीफे के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया है, जिसमें लिबरल डेमोक्रेट की उम्मीदवार हेलेन मॉर्गन ने जीत हासिल की। उपचुनाव में अपनी पार्टी की हार के बारे में पूछे जाने पर जॉनसन ने संवाददाताओं से कहा, ''सरकार जो कुछ भी करती है उसके लिए मैं जिम्मेदार हूं और निश्चित रूप से मैं व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेता हूं।'' उन्होंने कहा, ''स्पष्ट रूप से नॉर्थ श्रॉपशायर में चुनाव का परिणाम बहुत ही निराशाजनक है और मैं लोगों की निराशाओं को पूरी तरह से समझता हूं। मैंने सुना है कि मतदाता नॉर्थ श्रॉपशायर में क्या कह रहे हैं और पूरी विनम्रता के साथ मुझे उस फैसले को स्वीकार करना है।''

कंजर्वेटिव पार्टी के सह-अध्यक्ष ओलिवर डाउडेन ने पहले स्वीकार किया था कि उनकी पार्टी को एक 'ठेस' मिली है और ''एक संदेश'' दिया गया है, जिसे सत्तारूढ पार्टी ने ''स्पष्ट रूप से सुना'' है। इस चुनाव परिणाम ने पार्टी के भीतर के ही जॉनसन के आलोचकों को चेतावनी जारी करने के लिए प्रेरित किया कि उनका (जॉनसन का) नेतृत्व अब अधर में लटक गया है। टोरी पार्टी के संसद सदस्य सर रोजर गेल ने बीबीसी को बताया, ''एक और धक्के के बाद वह (जॉनसन) बाहर हो जाएंगे।''

ईरान परमाणु वार्ता स्थगित, यूरोपीय संघ ने विराम को निराशाजनक बताया

विएना।(एजेंसी)।

विश्व शक्तियों के साथ 2015 में हुए ईरान के परमाणु समझौते को बचाने के लिए चल रही वार्ता शुक्रवार को स्थगित कर दी गयी ताकि ईरानी वार्ताकार स्वदेश जाकर विचार-विमर्श कर सकें। तेहरान की नयी मांगों को लेकर इस दौर की वार्ता तनावपूर्ण रही है। यूरोपीय संघ के राजनयिकों ने कहा कि यह ''निराशाजनक विराम'' है और विएना में वार्ताकार ''तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।'' हालांकि, उन्होंने अभी तक ''कुछ तकनीकी प्रगति'' करने की ओर इशारा किया है। वार्ता में शामिल एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने निराशा जतायी। अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पत्रकारों से कहा, ''यह जितना हो सकता था उससे बेहतर था, जितना होना चाहिए था उससे बदतर था, जिससे हम एक अनिश्चित स्थिति में पहुंच गए हैं कि क्या हम कम समय में अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं।''

वार्ता में भाग लेने वाले लोगों ने कहा कि उनका उद्देश्य जल्द से जल्द वार्ता बहाल करना है हालांकि, उन्होंने इसके लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की है। चीन के मुख्य वार्ताकार वान कुन ने कहा कि ''उम्मीद है कि इस साल के अंत से पहले वार्ता बहाल हो जाएगी।'' वार्ता की अध्यक्षता करने वाले यूरोपीय संघ के राजनयिक एनरिक मोरा ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 2021 में ही वार्ता होगी।'' 'ज्वाइंट काम्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन' या जेसीपीओए के नाम से पहचाने जाने वाले परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले देशों के बीच विएना में 29 नवंबर को वार्ता शुरू हुई। इससे पहले ईरान में कट्टरपंथी नयी सरकार के आने के कारण पांच महीने से अधिक समय तक वार्ता रुकी रही। प्रतिनिधिमंडलों के अपनी सरकारों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए स्वदेश लौटने के कारण भी पिछले हफ्ते वार्ता में संक्षित विराम आया।

ओमिक्रोन का खतरा, डब्ल्यूएचओ ने सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोवैक्स टीके को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अमेरिकी दवा कंपनी नोवावैक्स से लाइसेंस के तहत सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा निर्मित कोविड-रोधी टीके 'कोवोवैक्स' को आपातकालीन उपयोग सूची में शुक्रवार को शामिल किया। इस तरह वैश्विक स्वास्थ्य निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त टीकों की संख्या में इजाफा हुआ है। एसआईआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आदर पूनावाला ने डब्ल्यूएचओ के फैसले को कोविड??-19 के खिलाफ लड़ाई में ''एक और मील का पत्थर'' बताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, ''डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन उपयोग सूची में कोवोवैक्स को शामिल किया है। इससे कोविड-19 के खिलाफ डब्ल्यूएचओ के मान्य टीकों की संख्या बढ़ी है। इस टीके का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा नोवावैक्स से लाइसेंस के तहत किया जाता है।''

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कोवोवैक्स का मूल्यांकन उसकी आपातकालीन उपयोग सूची प्रक्रिया के तहत गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता, जोखिम प्रबंधन योजना और भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) द्वारा टीका निर्माण स्थल पर किए गए निरीक्षण संबंधी डेटा की समीक्षा के आधार पर किया गया। एक संयुक्त बयान में अमेरिकी दवा कंपनी नोवावैक्स और एसआईआई ने उल्लेख किया कि सार्स-कोव-2 के कारण होने वाले कोरोना वायरस बीमारी की रोकथाम के लिए 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों के टीकाकरण के लिए टीके को मंजूरी मिली है। नोवावैक्स द्वारा ब्रांड नाम 'नुवाक्सोविड' के तहत टीके के विपणन के लिए आपात उपयोग सूची में शामिल करने के आवेदन की डब्ल्यूएचओ द्वारा समीक्षा भी की जा रही है।

नोवावैक्स के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेनली सी एर्क ने कहा, ''डब्ल्यूएचओ का आज का निर्णय दुनिया भर के करोड़ों लोगों के लिए प्रोटीन-आधारित कोविड-19 रोधी टीके की वैश्विक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।'' पूनावाला ने ट्वीट किया, ''यह कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक और मील का पत्थर है, कोवोवैक्स को अब डब्ल्यूएचओ द्वारा आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दी गई है। इस टीके ने उत्कृष्ट सुरक्षा और असर दिखाया है। एक महान सहयोग के लिए आप सभी का धन्यवाद।'' एसआईआई दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ तालमेल से पहले से 'कोविशील्ड' टीके का निर्माण कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, पूनावाला ने कहा था कि एसआईआई ने अगले छह महीनों में कोवोवैक्स की शुरुआत करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा था कि 'कोवोवैक्स' तीन साल से कम उम्र के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करेगा, क्योंकि परीक्षणों के दौरान शानदार आंकड़े आए हैं। कोवोवैक्स को अभी भी भारत के दवा नियामक डीसीजीआई से आपातकालीन उपयोग की अनुमति की प्रतीक्षा है।

बात-बात पर दुनिया को परमाणु बम से उड़ाने की धमकी देने वाले तानाशाह की सत्ता को 10 साल पूरे हुए, कितना बदला नॉर्थ कोरिया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

साल 1945 की बात है दूसरा विश्व युद्ध खत्म होने के बाद दुनिया दो विचारधारा में बंट गई थी- अमेरिका और सोवियत संघ। इनकी आपसी लड़ाई का पहला अध्याय लिखा गया जापान और चीन के निकट कोरियाई प्रांत पर। इसके दो टुकड़े हो गए। साउथ कोरिया में कुछ वर्षों के लिए सैन्य तानाशाही रही फिर लोकतंत्र आ गया। लेकिन नॉर्थ कोरिया में अच्छे दिन नहीं आए। नॉर्थ कोरिया का नेतृत्व संभाला एक 36 साल के शख्स ने जो पहले चीन और रूस के नेतृत्व में गोरिल्ला युद्ध लड़ चुका था। इस शख्स का नाम था किम संग इल। किम ने न केवल नया देश खड़ा किया बल्कि उसपर हुकुमत के लिए राजवंश भी बना लिया। ऐसा राजवंश जिसमें आगे के सभी शासक किम थे। सबसे पहले किम संग इल ने सत्ता संभाला और 1948 से 1994 तक शासन किया। जब मौत हुई तो इसके बेटे किम जोंग इल ने गद्दी संभाली। 17 दिसंबर 2011 को किम जोंग इल की मौत हो गई। इसके बाद चर्चा चली की अगला शासक कौन। फिर शवयात्रा वाली गाड़ी को पकड़े एक 27 साल का नौजवान चल रहा था। चेहरा शांत, सिर झुका और चाल में एकदम सादगी और नाम- किम जोंग उन। ईल के सबसे छोटे बेटे उन ने 2011 में सत्ता संभाली।

कुछ लोगों ने उम्मीद जताई कि नॉर्थ कोरिया का चाल और चरित्र किम जोंग उन के नेतृत्व में शायद बदल जाएगा। शांति का साम्राज्य, लोकतंत्र जैसे आंकलन किए गए। इन आकंलनों को दस साल बीत चुके हैं। इन दस सालों में किम जोंग उन ने अपने को चुनौती देने वाले हर व्यक्तियों को किनारे कर दिया। वो अपने विरोधियों को मरवाने में कुख्यात है। इन विरोधियों में उसके फूफा छ्वड्डठ्ठद्द स्थ्ठद्द-ह्लद्धड्डद्दद्म भी रहे जिसे किम ने नंगा करके जंगली कुत्तों के उस बाड़े में डलवा दिया, जो 3 दिनों से भूखे रखे गए थे।किम जोंग-उन के सत्ता में आने के 10 वर्षों में उत्तर कोरिया ने देश से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे लोगों पर नकेल कसी है, जिससे कई देश छोड़ने वालों ने अपने परिवार और मातृभूमि को फिर से देखने की उम्मीद छोड़ दिया है।

2011 में अपने पिता किम जोंग इल की मृत्यु के बाद किम के नेता बनने के बाद दक्षिण कोरिया में नए जीवन की तलाश के लिए गए लोगों का कहना है कि किम ने वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ काम तो किया है। 2014 में नॉर्थ कोरिया छोड़वने वाले एक व्यक्ति का कहना है कि किम के शासन में एक स्कूल में अनुशासन, पर काम किया गया खासकर ड्रेस और बालों पर अधिक। उन्होंने दक्षिण कोरियाई फिल्मों या संगीत को अधिक सख्ती से प्रतिबंधित कर दिया।÷ सियोल स्थित मानवाधिकार समूह की एक रिपोर्ट के अनुसार, के-पॉप वीडियो देखने या वितरित करने के लिए किम के तहत कम से कम सात लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

नॉर्थ कोरिया ने 17 दिसंबर को पूर्व सर्वोच्च नेता किम जोंग इल की 10वीं पुण्यतिथि मनाई। पूर्व नेता किम जोंग इल की 10वीं पुण्यतिथि पर फरमान जारी करते हुए लोगों के हंसने पर प्रतिबंध लगा दिया। तानाशाह किम ने आदेश जारी किया है जिसके तहत उत्तर कोरिया के नागरिकों के 10 दिनों के लिए हंसने पर रोक लगा दिया गया है। सीमावर्ती शहर सिनुइजू के निवासी ने रेडियो फ्री एशिया को बताया कि उत्तर कोरियाई लोगों को शराब पीने, हंसने, किराने का सामान खरीदने या अवकाश गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगर कोई कानून तोड़ता है और हंसता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश है।

सार समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 27 दिसंबर को होगा भव्य स्वागत, 1 लाख कार्यकर्ता लेंगे भाग: कश्यप

मंडी । भाजपा की विशेष बैठक का आयोजन मंडी के सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया, इस बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहें। बैठक में भाजपा के चारों संसदीय क्षेत्र प्रभारी राकेश जम्वाल, त्रिलोक कापूर, त्रिलोक जम्वाल, मंत्री मोहिंद्र ठाकुर, मंडी संसदीय क्षेत्र के सभी पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं 2017 के प्रत्याशी उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने बताया कि हिमाचल में जयराम ठाकुर सरकार के 4 साल 27 दिसंबर को पूरे होने जा रहे है, सरकार का यह 4 साल का सफर उपलब्धियों भरा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , भाजपा की जयराम सरकार को आशीर्वाद देने आ रहे है और उनके स्वागत की तैयारियों को लेकर इस बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि 27 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिमाचल आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और होने वाली सभा मे पूरे प्रदेश से 1 लाख से अधिक कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश स्तरीय रहने वाला है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्राप्त होगा और हमारे प्रदेश को कई बड़ी सौगात मिलेगी।

1 से 2 हजार किमी. लक्ष्य भेदी अग्नि प्राइम मिसाइल का भारत ने किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली । भारतीय सेना की सामरिक क्षमता में एक ओर इजाफा हो गया है। शनिवार को अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ये परीक्षण ओडिशा में बालासोर के तट पर किया गया। सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अग्नि-पी अग्नि श्रेणी की मिसाइलों का एडवांस वर्जन है। इसकी मारक क्षमता 1000 से 2000 किलोमीटर के बीच है। एक अधिकारी ने कहा, 'मिसाइल परीक्षण ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ अपने सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया।' भारत में अग्नि मिसाइल के कुल छह वर्जन है। अग्नि प्राइम मिसाइल सबसे एडवांस वर्जन है। अग्नि-पी अग्नि पांच और छह का एडवांस वर्जन का। हालांकि ये अग्नि-3 की तरह दिखता है। लेकिन जानकारों के मुताबिक वर्जन 3 के मुकाबले इसका वज़न लगभग आधा है। ये एक हजार किलोमीटर से लेकर दो हज़ार तक की दूरी तक निशाना साध सकती है। अग्नि मिसाइल लंबी दूरी की परमाणु हथियार सक्षम, सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हैं। सीरीज़ की पहली मिसाइल, अग्नि- द्ध को एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के तहत विकसित किया गया था और 1989 में परीक्षण किया गया था। बता दें कि भारत ने इसी हफ्ते ओडिशा तट से दूर अब्दुल कलाम द्वीप से 'सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड टॉरपीडो सिस्टम' (एसएमएटी) का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। अब्दुल कलाम द्वीप को पहले व्हीलर द्वीप के नाम से जाना जाता था। डीआरडीओ ने बताया कि परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी क्षमताओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रणाली को पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है, जो पारंपरिक टॉरपीडो की रेंज से कहीं अधिक है।

फार्मा क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है सरकार: मांडविया

गांधीनगर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को यहां कहा कि केंद्र सरकार दवा क्षेत्र में पेटेंट वाली दवाओं के लिए अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बना रही है और जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने का भी प्रयास कर रही है। उन्होंने अफसोस जताया कि भारत भले ही बड़े पैमाने पर दुनिया को जेनेरिक दवाएं उपलब्ध करा रहा है, लेकिन देश के लोग ब्रांडेड दवाओं का सेवन कर रहे हैं, जिससे इलाज का खर्चा बढ़ रहा है। 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' के 10वें संस्करण से पहले यहां फार्मास्युटिकल (औषधि) सेक्टर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मांडविया ने कहा कि 10 करोड़ परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने की केंद्र की नीति भी फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए एक अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, 'सरकार ने दवा क्षेत्र में अनुसंधान के लिए नीति में ढील दी है, और किसी कंपनी को अनुसंधान करने की अनुमति देने में लगने वाला समय कम कर दिया गया है। लेकिन देश को खुद को जेनेरिक दवाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रखना चाहिए, उसे अनुसंधान भी करना चाहिए और विश्व बाजार में पेटेंट की गईं दवाएं भी बेचनी चाहिए।'

सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद अमरिंदर ने चन्नी, सिद्धू पर हमला बोला

चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा इसे मार गिराए जाने के बाद पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधा। सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री चन्नी अपने गृह मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को सक्रिय होने के लिए कहें। पूर्व मुख्यमंत्री ने ड्रोन को मार गिराए जाने की एक खबर टैग करते हुए अपने ट्वीट में कहा, पूरे दिन भांगड़ा करने के बजाय, पंजाब के मुख्यमंत्री को अपने गृह मंत्री को सक्रिय होने और चीजों को नकारने से बचने की सलाह देनी चाहिए। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार रात करीब 11:10 बजे फिरोजपुर सेक्टर में वान सीमा

चौकी के पास चीन निर्मित एक ड्रोन दिखा और उसे मार गिराया गया। इसने कहा कि काले रंग की उड़ने वाली वस्तु को अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 300 मीटर और सीमा बाड़ से 150 मीटर की दूरी पर मार गिराया गया। मुख्यमंत्री चन्नी को इस सप्ताह की शुरुआत में एक कार्यक्रम में भांगड़ा करते हुए देखा गया था। सितंबर में भी उन्हें कपूरथला में एक कार्यक्रम में पंजाब का लोकनृत्य करते देखा गया था। सिंह ने इसी ट्वीट में कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सिद्धू पर भी हमला बोला। उन्होंने चन्नी से कहा, अपने पार्टी अध्यक्ष से भी कहो, अगर वह आपकी बात सुनते हैं, कि वह अपने बड़े भाई इमरान खान से हमारे सीमावर्ती राज्य पंजाब को परेशान करने की कोशिश बंद करने को कहें! पूर्व क्रिकेटर सिद्धू ने पिछले महीने सीमा पार करतारपुर साहिब गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अपना बड़ा भाई कहा था। उनकी टिप्पणी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने निंदा की थी। सिंह ने सिद्धू के साथ सत्ता संघर्ष के बाद सितंबर में पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में, उन्होंने अपनी पार्टी बनाई और अब 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया है।

उत्तर प्रदेश की जनता कह रही हैं कि यूपी प्लस योगी, बहुत है उपयोगी: नरेंद्र मोदी

शाहजहांपुर (उप्र)। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के अवसर पर शनिवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश की जनता एक नारा दे रही है कि 'यूपी प्लस योगी, बहुत है उपयोगी।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखीं। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुये पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुये मोदी नेकहा कि योगी जी के नेतृत्व में यहां सरकार बनने से पहले पश्चिम उप्र में कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति थी इससे सब भलिभांति परिचित हैं।

उन्होंने कहा, ÷पहहले यहां कहते थे दिया बरे तो घर लौट आओ' क्योंकि सूरज डूबता था तो कटटा लहराने वाले सड़क पर आ धमकते थे। यह कटटा अब चला गया। बेटियों की सुरक्षा पर आए दिन सवाल उठते रहते थे। बेटियों का स्कूल जाना मुश्किल कर दिया गया था। व्यापारी-कारोबारी घर से सुबह निकलता था परिवार को चिंता होती थी, घर और जमीन पर अवैध कब्जे के चलते कब कहां दंगा हो जाये, कहां आगजनी हो जाये, कोई नहीं कह सकता था।÷ मोदी ने कहा कि इसी स्थिति के कारण कई गांवों से आए दिन पलायन की खबरें आती रहती थी लेकिन बीते साढ़े चार साल में योगी सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिये बहुत परिश्रम किया है।

आज जब माफियाओं की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलता है, तो दर्द उन्हें पालने-पोसने वालों को होता है। तभी आज पूरे उप्र की जनता कह रही है कि यूपी प्लस योगी बहुत है उपयोगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि एक से दूसरे शहर में जाने के लिए अब आपको उतना समय नहीं लगेगा जितना समय पहले लगता था। आपका समय ट्रैफिक जाम में बर्बाद नहीं होगा। आप समय का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि इतने बड़े प्रदेश को चलाने के लिए जिस दम-खम की जरूरत है, जितने दमदार काम की जरूरत है, डबल इंजन की सरकार वो करने का काम कर रही है। मोदी ने कहा, ÷मां गंगा सारे मंगलों की, सारी उन्नति-प्रगति की स्रोत हैं। मां गंगा सारे सुख देती हैं, और सारी पीड़ा हर लेती हैं।

ऐसे ही गंगा एक्सप्रेसवे भी उत्तर प्रदेश की प्रगति के नए द्वार खोलेगा।' गंगा एक्सप्रेस-वे 594 किलोमीटर लंबा और छह लेन का होगा। यह 36,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार मेरठ के बिजौली गांव के पास से शुरू होकर एक्सप्रेस-वे प्रयागराज के जुदापुर दांडू गांव तक जाएगा। यह मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव,

रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा।

पूरी तरह से निर्मित होने के बाद, यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी निर्मित की जाएगी, जो वायु सेना के विमानों को आपातकालीन उड़ान भरने और उतरने में सहायता प्रदान करेगी। एक्सप्रेस-वे के साथ एक औद्योगिक गलियारा बनाने का भी प्रस्ताव है।

दिल्ली में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच खुद को तीसरी लहर के लिए तैयार कर रहे हैं व्यापारी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के धीरे-धीरे राष्ट्रीय राजधानी में पैर पसारने की पृष्ठभूमि में ग्राहकों की घटती संख्या से प्रभावित हो रहे व्यापारी महामारी की संभावित तीसरी लहर के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। दिल्ली में शुक्रवार को और 12 लोगों को ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। राष्ट्रीय राजधानी में अभी तक ओमीक्रोन के 22 मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है उनमें से अधिकतर का टीकाकरण हो चुका है और उनमें बीमारी के लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। चांदनी चौक व्यापार मंडल के सदस्य संजय भार्गव का कहना है कि अभी वे लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने इलाके में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध जरूर किया है।

उन्होंने पीटीआईको बताया, ''हमने प्रशासन से क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने का मौखिक अनुरोध किया है ताकि कोविड-19 प्रोटोकॉल को हल्के में लेने वालों से उसका

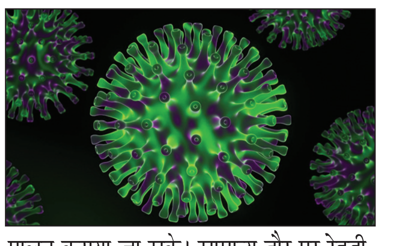

पालन कराया जा सके। सामान्य तौर पर रेहड़ी-पटरी वाले और भिखारी नियमों का पालन नहीं करते हैं।'' ग्राहकों की संख्या में कमी को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मार्केट एसोसिएशन जल्दी ही क्षेत्र के दुकानदारों को परिपत्र जारी करके उनसे कोविड प्रोटोकॉल लागू कराने को कहेगी। भार्गव ने कहा, ''हम जल्दी ही अपने सभी व्यापारियों से कोविड प्रोटोकॉल लागू करने को कहेंगे। पिछले 10 दिनों में बाजार में ग्राहकों की संख्या में कमी आयी है। शहर में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के कारण धंधा मंदा हुआ है।'' 'नेशनल दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा कि वैसे तो कनॉट प्लेस (सीपी) में भीड़ है और अन्य जगह ऐसा कोई डर नहीं है, इसके बावजूद उन्होंने सभी व्यापारियों को परिपत्र जारी कर दिया है।''

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाले कई अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। मंगलवार को उन्होंने कहा था कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप अभी तक समुदाय के स्तर पर नहीं फैला है और हालात अभी नियंत्रण में हैं। ओमीक्रोन स्वरूप से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार की शाम एक आदेश जारी कर अस्पतालों से कहा कि वह सभी रिक्त पदों पर संविदा या अन्य आउट सोर्सिंग एजेंसियों की मदद से डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक, स्वच्छता और सुरक्षा सहित अन्य सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की भर्ती करें और पहले से स्वीकृत पदों की संख्या से 25 प्रतिशत अतिरिक्त भर्तियां 31 मार्च से पहले सुनिश्चित करें।

तमिलनाडु : महिला कामगारों ने किया प्रदर्शन, महत्वपूर्ण राजमार्ग को बाधित किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चेन्नई। स्मार्ट फोन का पुर्जा बनाने वाली एक कंपनी की ओर से कथित तौर पर संचालित केंद्र में भोजन करने और करीब 100 महिला कर्मियों के खाद्य विषाक्त के शिकार होने के बाद दो कर्मचारियों की मौत की अफवाह फैल गई जिसके बाद बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने अचानक प्रदर्शन कर व्यस्त चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिसके कारण शनिवार को यातायात बाधित हो गया। महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन की वजह से ट्रक सहित कई वाहन फंस गए और भारी जाम लग गया। कर्मचारियों का प्रदर्शन शुक्रवार देर रात शुरू हुआ और अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद करीब 12 घंटे बाद समाप्त हुआ। यह कंपनी स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रानिक उपकरणों के पुर्जे बनाती है और इसका मुख्यालय विदेश में है। दो अन्य स्थानों पर भी फैले विरोध प्रदर्शन से चेन्नई-तिरुपति मार्ग पर भी कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शन वापस ले लिया गया। श्रमिकों के विरोध की पृष्ठभूमि में खाद्य विषाक्तता है, जिससे कंपनी की तरफ से तिरुवल्लुर जिले के उपनगरीय वेल्लावेडु में दिए गए आवास में रहने वाले कर्मचारी बीमार हो गए। पुलिस ने कहा कि छात्रावास कैंटीन में उपलब्ध कराए गए भोजन का सेवन करने के बाद कर्मचारियों ने उल्टी और दस्त की जानकारी दी और उनमें से 132 को अस्पतालों में इलाज कराना पड़ा और चार लोगों को छोड़कर बाकी लोगों को छुट्टी दे दी गई। उन चार लोगों का इलाज जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि खाद्य विषाक्तता के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है।

अमेठी में भाजपा पर बरसे राहुल गांधी, बोले- आज हिंदू और हिंदुत्ववादी के बीच में हो रही लड़ाई

अमेठी। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेठी में पदयात्रा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हिंदुस्तान में लड़ाई हिंदू और हिंदुत्ववादी के बीच में हो रही है। एक तरफ हिंदू खड़े हैं, जो सच्चाई की बात करते हैं, नफरत नहीं फैलाते। दूसरी तरफ हिंदुत्ववादी खड़े हैं, जो नफरत फैलाते हैं और सत्ता को छीनने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं 2004 में राजनीति में आया, मैंने यहाँ से पहला चुनाव लड़ा था। आपने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, मैं आपसे काम करना सीखा हूं। एक प्रकार से आपने मुझे राजनीतिक रास्ता दिखाया है।

भाजपा पर बरसे राहुल गांधी

इसी बीच राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के सामने दो सबसे बड़े सवाल हैं, एक बेरोजगारी और दूसरा महंगाई। इन सवालों का जवाब न मुख्यमंत्री देते हैं, न प्रधानमंत्री देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश को ये नहीं बता सकते कि इस देश में रोजगार क्यों नहीं पैदा हो सकता, रोजगार क्यों खत्म हो गया और दूसरा सवाल यह कि इतनी तेजी से

महंगाई क्यों बढ़ती जा रही है ? कांग्रेस सांसद ने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी और किसानों के विरूद्ध काले कानूनों का एक ही लक्ष्य है- हम दो, हमारे दो। चाहे एयरपोर्ट हो या पोर्ट्स, सब साथियों को दिया जा रहा है। नरेंद्र मोदी जी उनके लिए काम करते हैं, उनकी पूरी मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने कहा था कि हिंदू का रास्ता सत्याग्रह है। लेकिन हिंदुत्ववादी का रास्ता सत्ताग्रह है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि एक सच्चाई पर चलता है, अन्याय के खिलाफ लड़ता है, उसका नाम हिंदू है। दूसरा झूठ के रास्ते पर चलता है, हिंसा फैलाता है, नफरता फैलाता है, उसका नाम हिंदुत्ववादी है। उन्होंने कहा कि आज हिंदुस्तान में लड़ाई हिंदू और हिंदुत्ववादी के बीच में हो रही है। एक तरफ हिंदू खड़े हैं, जो सच्चाई की बात करते हैं, नफरत नहीं फैलाते। दूसरी तरफ हिंदुत्ववादी खड़े हैं, जो नफरत फैलाते हैं और सत्ता को छीनने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

कश्मीर में मौसम की सबसे सर्द रात, नलों में बर्फ जमने से जनजीवन हुआ प्रभावित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

श्रीनगर और कश्मीर के अन्य हिस्सों में इस मौसम की सबसे सर्द रात रही और घाटी में तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जिसके कारण जलापूर्ति लाइन और कई जलाशयों में कहीं-कहीं पानी जम गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि श्रीनगर में शुक्रवार रात तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इससे पहले की रात में दर्ज किए गए शून्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे की तुलना में 2.2 डिग्री कम है। उन्होंने बताया कि शहर में यह सीजन की अब तक की सबसे सर्द रात रही और न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत तापमान से 4.5 डिग्री कम दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर में बारामूला जिले के गुलमर्ग रिसॉर्ट में तापमान शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यहां घाटी में सबसे कम तापमान रहा। अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में तापमान शून्य से 8.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी कुछ दिनों में रात में तापमान और गिरने की संभावना जताई है। घाटी में 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक हल्की से भारी बर्फबारी होने की संभावना है।

भूमि उपयोग कानून में बदलाव पर बिफरा विपक्ष

दूसरी ओर कश्मीर में भूमि उपयोग कानून में बदलाव करने पर पूर्व मुख्यमंत्रियों महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन को आड़े हाथो लेते हुए दावा किया कि नई नीति का केंद्र शासित प्रदेश पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि कृषि भूमि को गैर-कृषि उद्देश्यों में बदलने की इजाजत देने वाला नया कानून जम्मू-कश्मीर में जनसांख्यिकीय बदलाव की साजिश को सामने लाता है। उन्होंने ट्वीट किया, 'विकास का एजेंडा एक बहाना है। नए नियमों में पहली शर्त के तौर पर 15 साल के अधिवास प्रमाण पत्र भी जरूरी नहीं है।' वह भूमि उपयोग कानूनों में सरकार द्वारा किए गए बदलाव पर प्रतिक्रिया दे रही थी जो गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए कृषि भूमि के उपयोग की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, 'स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में उनके वाजिब हिस्से से महरूम करने के बाद, ऐसे अचानक नीतिगत फैसले बाहरी लोगों के लिए जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीदने का मार्ग प्रशस्त करते हैं और केवल स्थानीय लोगों को और कमजोर करने के वास्ते लिए गए हैं।' उधर, नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भूमि उपयोग नियमों में बदलाव पूर्ववर्ती राज्य में किए गए बड़े सुधारों को निष्प्रभावी कर देगा। उन्होंने कहा कि गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए कृषि भूमि के उपयोग की अनुमति देना जम्मू-कश्मीर में भूमि सुधार को और एक आघात है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भूमि सुधार गरीबी को कम करने में प्रमुख कारण रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि भूमि उपयोग को बदलने की इजाजत देने से जम्मू-कश्मीर के लोगों की खाद्य सुरक्षा को भी खतरा होगा। माकपा नेता एमवाई तारिगामी ने भी भूमि उपयोग कानूनों में किए गए बदलावों की आलोचना की।

कश्मीर भाजपा की बैठक

अब एक ओर विपक्षी नेता जहां सरकारी कदमों की आलोचना में जुटे हैं वहीं भाजपा अपने संगठन को मजबूती देने और आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है। भाजपा की कश्मीर इकाई ने घाटी में डीडीसी और बीडीसी सदस्यों के साथ संगठनात्मक बैठक कर आगामी चुनावों और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को ज्यादा से ज्यादा कैसे मिल सके इसके बारे में चर्चा की। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की भाजपा इकाई के महासचिव (संगठन) अशोक कौल की उपस्थिति में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सांसद शमशेर सिंह मन्हास की अध्यक्षता में यह संगठनात्मक बैठक हुई। इस बैठक के उद्देश्यों के बारे में प्रभासाक्षी संवाददाता ने भाजपा नेताओं से चर्चा की।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना पर कोर्ट ऑफ इंक्वायरी निष्पक्ष होगी, इसमें कुछ हफ्ते लगेंगे : वायुसेना प्रमुख

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हैदराबाद। एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने शनिवार को कहा कि तीनों सेवाओं के अधिकारियों को ले कर बनाए गए जांच दल की 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' एक निष्पक्ष प्रक्रिया होगी और इस दल को घटना के प्रत्येक पहलू की जांच करने को कहा गया है। चौधरी ने यहां के पास डुंडीगल में वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड के इतर संवाददाताओं से कहा कि जांच को पूरा होने में ''कुछ और सप्ताह लगेंगे''। उन्होंने कहा, ''मैं कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के परिणाम को लेकर पहले से कोई संभावना नहीं जताना चाहता, क्योंकि जाए कि क्या गलत हुआ होगा और उसी आधार पर उचित सिफारिशें की जाएं तथा निष्कर्ष निकाला जाए।'' चौधरी से जांच से जुड़ी जानकारियों और हेलीकॉप्टर हादसे संबंधी परिस्थितियों को लेकर सवाल किया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने यह टिप्पणी की। तमिलनाडु के कुन्नूर में आठ दिसंबर को हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, उनकी पत्नी और 12 अन्य सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि मैं इस बारे में जल्दबाजी में कोई घोषणा नहीं करूं कि इसका (हादसे का) कारण क्या हो होगा। मैं आपको यहभरोसा दिलाना चाहता हूं कि यह अत्यंत निष्पक्ष प्रक्रिया है।'' हेलीकॉप्टर हादसे के बाद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में सूचित किया था कि एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीनों सेवाओं के दल ने दुर्घटना की जांच आरंभ कर दी है। इससे पहले, चौधरी ने यहां पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध की प्रकृति में मूलभूत परिवर्तन हो रहे हैं और भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे एवं चुनौतियां शामिल हैं, जिनके लिए कई क्षेत्रों में क्षमता निर्माण की आवश्यकता होगी।

चौधरी ने कहा कि वायु सेना राफेल प्रकृति में मूलभूत बदलाव आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में नई प्रौद्योगिकी और मौलिक रूप से नए सिद्धांत सामने आए हैं। भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे और चुनौतियां शामिल हैं।

इनसे निपटने के लिए हमें कई क्षेत्रों में क्षमताओं की आवश्यकता होगी और हमें हमारे सभी अभियानों को एक साथ और कम समय में पूरा करना होगा।'' चौधरी ने तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर हादसे में भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बल के 12 अन्य अधिकारियों के असमय निधन पर शोक जताते हुए कहा कि इस

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

NCB में 31 दिसंबर को खत्म हो जाएगी समीर वानखेड़े की सेवा, विवादों की वजह से नहीं ले रहे एक्सटेंशन!

मुंबई। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी समीर वानखड़े का स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) में विवादों से भरा कार्यकाल 31 दिसंबर को पूरा हो जाएगा। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईआरएस के 2008 बैच के अधिकारी वानखड़े एनसीबी में सितंबर 2020 से डेप्युटेशन पर हैं और ऐंटी-ड्रग एजेंसी के मुंबई जोनल डायरेक्टर हैं। इससे पहले वह राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि समीर वानखेड़े पिछले दो महीनों से जारी विवादों की वजह से एक्सटेंशन नहीं लेना चाहते हैं। एनसीबी के जोनल निदेशक के रूप में वानखेड़े अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की कथित आत्महत्या के बाद ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई में शामिल थे। इस सिंडिकेट में बॉलीवुड के कलाकार कथित रूप से शामिल हैं। इस साल अक्टूबर में, वानखेड़े के नेतृत्व में एक टीम ने मुंबई तट के पास एक क्रूज जहाज पर छापेमारी के दौरान कथित तौर पर मादक पदार्थ बरामदगी का दावा किया था और अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। लेकिन बाद में एनसीबी द्वारा छापेमारी के दौरान इस्तेमाल स्वतंत्र गवाहों की साख पर सवाल उठे और यह भी आरोप लगाया गया था कि एनसीबी अधिकारियों ने शाहरुख खान से पैसे ऐंठने की कोशिश की थी। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने वानखेड़े पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह (वानखेड़े) मुस्लिम परिवार में पैदा हुए थे लेकिन उन्होंने फर्जी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त कर अनुसूचित जाति के आरक्षण के तहत नौकरी हासिल की। वानखेड़े ने आरोप से इनकार किया और उनके पिता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता मलिक के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया।

लखनऊ, मऊ, मैनपुरी में सपा नेताओ के घर-दफ्तर पर आयकर का छापा, हंगामे की बीच भारी फोर्स तैनात

वहीं आगरा के पंजाबी कॉलोनी निवासी राजकीय ठेकेदार मनोज यादव के आवास पर शनिवार को तड़के आयकर विभाग ने छापा मारा है। 12 गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंची आयकर विभाग की टीमों ने पूरे घर को अंदर से बंद कर लिया है।

मऊ। आयकर विभाग की टीम ने शनिवार सुबह लखनऊ, मैनपुरी, मऊ में सपा नेताओं के घर और कैंप कार्यालयों पर छापामारी की है। आगरा के मनोज यादव, लखनऊ में जैनेंद्र यादव और मऊ के राजीव राय सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा नेता शामिल हैं। लखनऊ में आयकर का छापा आंबेडकर पार्क के पास स्थित जैनेंद्र यादव के आवास पर पड़ा है। वहीं मऊ में सपा नेता राजीव राय के कैंप कार्यालय पर छापेमारी की गई। छापेमारी की सूचना पर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ने की आशंका के चलते भारी पुलिस फोर्स मौके पर बुलाया गया है।

मऊ में सपा के राष्ट्रीय सचिव राजीव राय के शहर कोतवाली के सहादतपुरा स्थित कैंप कार्यालय शनिवार सुबह इनकम टैक्स टीम ने छापेमारी की है। इस दौरान वाराणसी की इनकम टैक्स ने राजीव राय को उनके घर में नज़र बन्द कर दिया। इस पर सपाईयों ने हंगामा शुरू कर दिया जिसके बाद राजीव राय के घर के बाहर भारी संख्या में फोर्स तैनात कर दी गई। दरअसल, राजीव राय पर सपा सरकार में पावर कारपोरेशन के भूमिगत केबिल बिछाने के काम में भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप हैं। विभागीय जाँच में दोषी पाए गए थे।

आगरा के मनोज यादव, लखनऊ में जैनेंद्र यादव और मऊ के राजीव राय सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा नेता शामिल हैं। लखनऊ में आयकर का छापा आंबेडकर पार्क के पास स्थित जैनेंद्र यादव के आवास पर पड़ा है। वहीं मऊ में सपा नेता राजीव राय के कैंप कार्यालय पर छापेमारी की गई। छापेमारी की सूचना पर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ने की आशंका के चलते भारी पुलिस फोर्स मौके पर बुलाया गया है।

मनोज यादव के घर छापा -वहीं आगरा के पंजाबी कॉलोनी निवासी राजकीय ठेकेदार मनोज यादव के आवास पर शनिवार को तड़के आयकर विभाग ने छापा मारा है। 12 गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंची आयकर विभाग की टीमों ने पूरे घर को अंदर से बंद कर लिया है। घर के बाहर स्थानीय पुलिस का पहरा लगा हुआ है। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा। सुबह 6 बजे से आयकर विभाग की टीमें घर के अंदर जांच कर रही है। छापेमारी की वजह को लेकर कोई जानकारी अभी नहीं दी गई है। राजकीय ठेकेदार मनोज यादव सपा के बेहद करीबी हैं। बड़ी संख्या में लोग इस छापेमारी की जानकारी लेने के लिए उनके घर के आस पास पहुंचे हैं, लेकिन किसी को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया गया है।

जैनेंद्र यादव के आवास पर इनकम टैक्स का रेड-लखनऊ में आयकर विभाग आंबेडकर पार्क के पास स्थित जैनेंद्र यादव के घर पर छापेमारी की। घंटों घर को खंगाला। कई दस्तावेज साथ ले गए। इस दौरान घर के सामने भारी पुलिस बल तैनात रहा।

विक्षिप्त लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करना अप्रत्यक्ष भेदभाव का ही एक पहलू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा, विक्षिप्त व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करना अप्रत्यक्ष भेदभाव का ही एक पहलू है। ये लोग विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम (आरपीडब्ल्यूडी) के तहत सुरक्षा के हकदार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मानसिक बीमार व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के तहत दी जाए सुरक्षा

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा, मानसिक रूप से विकलांग कर्मचारी के खिलाफ शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही भेदभावपूर्ण और कानून के प्रावधानों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय पुलिस बल के सहायक कमांडेंट रविंदर कुमार धारीवाल की अपील स्वीकार कर ली।

उसे बिना पूर्व स्वीकृति के टेलीविजन चैनलों और अन्य प्रिंट मीडिया के समक्ष आकर कथित तौर पर असंसदीय भाषा के कथित उपयोग के लिए जांच और निलंबन का सामना करना पड़ा था।

उस पर डिप्टी कमांडेंट के साथ बदसलूकी के आरोप थे। पीठ ने अपीलकर्ता के चिकित्सा इतिहास में यह नोट किया कि वह 2009 में जुनूनी बाध्यकारी विकार और अवसाद से ग्रस्त है और उसे 40 से 70 प्रतिशत विकलांगता वाले स्थायी रूप से विकलांग के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

पीठ ने कहा, मानसिक विकलांगता, सक्षम शरीर वाले व्यक्तियों की तुलना में कार्यस्थल के मानकों का पालन करने की क्षमता को कम करती है। ऐसे व्यक्तियों को अधिक हानि होती है और अनुशासनिक कार्यवाही की चपेट में आ जाते हैं। लिहाज मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करना अप्रत्यक्ष भेदभाव का एक पहलू है। पीठ ने अपीलकर्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि वह आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत सुरक्षा का हकदार हैं, भले ही वह अपने वर्तमान रोजगार लिए अनुपयुक्त पाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपीलकर्ता को एक वैकल्पिक पद पर फिर से नियुक्त करते समय, यदि जरूरी हो तो वेतन, परिलब्धियां और सेवा की शर्तें संरक्षित होनी चाहिए।

पहाड़ों पर भारी हिमपात, रोहतांग में बर्फीला तूफान, बढ़ी ठिठुरन, तीन दिन तक शीत लहर का येलो अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ों पर लगातार हिमपात होने से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। उत्तराखंड में जहां बदरीनाथ, केदारनाथ समेत अन्य चोटियों में हिमपात हो रहा है और निचले इलाकों में सर्द हवाएं दुश्वारियां बढ़ा रही हैं। वहीं, हिमाचल में अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल में बर्फीले तूफान ने वाहन चालकों समेत पुलिस कर्मचारियों की दिक्कत भी बढ़ा दी। शुक्रवार को मनाली के साथ लगते सोलंगनाला में हिमपात के कारण 500 से अधिक पर्यटन वाहन फंस गए हैं।

तीन दिन तक शीत लहर चलने की आशंका

इन सभी को रात करीब नौ बजे रेस्क्यू कर लिया गया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में ठंड से तापमान लगातार गिर रहा है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन शीत लहर चलने की आशंका जताई है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब, केदारनाथ में बर्फबारी

उत्तराखंड में शुक्रवार को सुबह से ही

प्रदेशभर में हल्के बादलों के बीच सर्द हवाएं चलती रहीं। दोपहर में हल्की धूप के बावजूद कंपकंपी बढ़ गई। बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब, गौरसों, केदारनाथ समेत अन्य ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई। इसके बाद सर्द हवाएं चलने से प्रदेशभर में पारे ने गोता लगाया और कड़ाके की ठंड महसूस की जाने लगी। शाम होते ही शहरों में अलाव जला दिए गए।

कहां रह सबसे ज्यादा ठंड

स्थान, न्यूनतम, अधिकतम
शिमला,-0.2, 6.9
कुफरी,-2.0, 1.5
केलंग,-8.0, -4.1
गुलमर्ग, -8.6, 2.2
श्रीनगर, -3.8, 9.3
पहलगाम, -5.6, 5.8
(तापमान डिग्री सेल्सियस में)

रोहतांग में बर्फीला तूफान

हिमाचल में बारालाचा, कुंजुम व रोहतांग दर्रों में आधा फीट ताजा हिमपात हुआ। रोहतांग दर्रे में गुरुवार रात बर्फीले तूफान के कारण फाहे मनाली तक पहुंच गए। भरमौर में हिमपात के कारण दिनकाधार से बसें नहीं लौट पाई। हिमाचल में बर्फबारी के चलते में 34 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। वहीं, कुछ जगह बिजली की दिक्कत भी बनी हुई है।

साल 2022 से DU में बिना कट-ऑफ के होगा एडमिशन, एंट्रेंस परीक्षा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद , जो कि विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है, उन्होंने अगले शैक्षणिक सत्र से अंडरग्रेजुएशन कोर्सेज में प्रवेश आयोजित करने के लिए एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बता दें, पिछले सप्ताह अकादमिक परिषद (९ष्ट) द्वारा पारित किए जाने के बाद चुनाव आयोग द्वारा प्रस्ताव की पुष्टि की गई थी। जबकि८ष्ट के 22 में से 2 सदस्यों ने शुक्रवार को इस कदम के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त की। इस साल तक, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएशन कोर्सेज में प्रवेश कटऑफ अंकों के आधार पर किया गया। चूंकि दिल्ली विश्वविद्यालय में पहले आओ, पहले पाओ की कोई नीति नहीं है, इसलिए कॉलेजों को उन सभी आवेदकों को प्रवेश देना आवश्यक है जो घोषित कटऑफ मानदंडों को पूरा करते हैं, जिससे अधिक प्रवेश होता है। अक्टूबर में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अंडरग्रेजुएशन प्रवेश सुधारों पर विचार-विमर्श करने के लिए 9 सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि प्रवेश एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से किया जाए। शुक्रवार को अपने असहमति नोट में, चुनाव आयोग के सदस्य सीमा दास और अशोक अग्रवाल ने अकादमिक परिषद के असंतुष्ट सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं से सहमति व्यक्त की।उन्होंने डेटा विश्लेषण और प्रवेश परीक्षा के तौर-तरीके पर सवाल उठाया जिसके आधार पर सिफारिश की गई थी। उन्होंने कहा कि यदि अतिरिक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है तो छात्रों को बढ़े हुए दबाव से गुजरना होगा, इसके अलावा जो छात्र कटऑफ स्कोर के आधार पर कक्षा 12वीं के बाद स्ट्रीम और कोर्स बदलते हैं, उन्हें नुकसान हो सकता है। हिंदू कॉलेज की प्रिंसिपल अंजू श्रीवास्तव ने अगले साल होने वाली कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की शुरुआत का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हम निर्णय का स्वागत करते हैं और प्रशासन का समर्थन करते हैं। प्रवेश के विभिन्न विकल्पों में से एक पर विचार किया जा सकता है।

वायु प्रदूषण रोकने के लिए फंड इस्तेमाल करने में कई राज्य सरकारें पीछे, पर्यावरण मंत्रालय ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली। प्रदूषण रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी धन का इस्तेमाल करने में सभी राज्य सरकारें फिसड्डी साबित हुई है। पर्यावरण मंत्रालय के एनसीएपी की राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, सभी राज्य सरकारें वायु प्रदूषण रोकने के लिए जारी धन का उपयोग करने में विफल रहे हैं। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति की बैठक में ये बात निकल कर सामने आई । एनसीएपी की पहली बैठक के दौरान जारी आंकड़ों के अनुसार, सभी राज्य अपने-अपने राज्यों में वायु प्रदूषण रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि का

सही तरीके से उपयोग नहीं किया, जिससे प्रदूषण कम नहीं हुआ।

अगले पांच साल में 700 करोड़ रुपये जारी करेगा केंद्र

रिपोर्ट के अनुसार, 2018-19 से 2020-21 तक 114 शहरों को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत कुल 375.44 करोड़ रुपये दिए गए और 2021-22 के लिए 82 शहरों को 290 करोड़ आवंटित किए गए, लेकिन इस दौरान राज्य सरकारें प्रदूषण पर लगाम लगाने में पीछे रह गई। केंद्र सरकार प्रदूषण रोकने के लिए सभी राज्यों को वर्ष 2021-26 के बीच 700 करोड़ रुपये और जारी करेगा।

राजधानी में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और केजरीवाल सरकार से मांगा था जवाब-पिछले महीने राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई थी। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को जमकर फटकार लगाते हुए जवाब मांगा था कि दोनों सरकारें उन उद्योगों, पावर प्लांट्स की जानकारी दें, जिन्हें वायु प्रदूषण रोकने के मकसद से कुछ समय के लिए बंद किया जा सकता है। कोर्ट ने वाहनों की आवाजाही रोकने पर भी विचार करने के लिए भी कहा था।

ओमिक्रोन से सावधान, कहीं संक्रमण की तीसरी लहर का कारण न बन जाए यह वायरस

नई दिल्ली। भारत सरीखे बड़ी आबादी वाले देश में कोरोना वायरस के बदले हुए प्रतिरूप ओमिक्रोन से संक्रमित लोगों की संख्या सौ के पार हो जाना गंभीर चिंता की बात भले न हो, लेकिन इसकी आशंका तो है ही कि कहीं यह वायरस संक्रमण की तीसरी लहर का कारण न बन जाए। इस आशंका की एक बड़ी वजह दुनिया के कुछ अन्य देशों में ओमिक्रोन संक्रमित लोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि होना है।

नए साल पर बड़े जश्न न करने की सलाह

ओमिक्रोन घातक तो नहीं है, लेकिन वह संक्रमण कहीं तेजी से फैलाता है। इसी कारण स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को भीड़ से दूर रहने, बेवजह यात्र करने और सामूहिक समारोहों के आयोजन से बचने की सलाह दी है। इसके अलावा उसने नए साल के जश्न बड़े स्तर पर न करने को भी कहा है। इस सब पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि इन दिनों सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन तो हो ही रहे हैं, विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में राजनीतिक रैलियां भी हो रही हैं। न केवल राज्य सरकारों और उनके प्रशासन को स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह पर गंभीरता प्रदर्शित करनी चाहिए, बल्कि आम लोगों को भी।

ओमिक्रोन से बचे रहने के लिए पहले आजमाए उपायों पर फिर से हो अमल

इसकी आवश्यकता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि मास्क का उपयोग करीब-करीब नगण्य होता जा रहा है और सार्वजनिक स्थलों पर शारीरिक

दूरी को लेकर भी सतर्कता का परिचय नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी लगभग बंद हो गया है। इन स्थितियों में जनता को इसके लिए नए सिरे से चेताने की जरूरत है कि संक्रमण से बचे रहने के लिए पहले आजमाए गए उपायों पर फिर से अमल किया जाए। इस पर जोर इसलिए दिया जाना चाहिए, क्योंकि यदि संक्रमण ने फिर पैर पसारे तो न चाहते हुए भी प्रतिबंधों का सहारा लेना पड़ सकता है।

बूस्टर डोज की आवश्यकता पड़ेगी या नहीं?

इससे आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ेगा और यदि ऐसा हुआ तो उसके दुष्परिणाम आम जनता को भोगने पड़ेंगे। सरकारों के साथ आम जनता को यह सुनिश्चित करना होगा कि संक्रमण बेलगाम न हो और तीसरी लहर न आने पाए। लोगों को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि कोविड महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। प्रतिदिन सात हजार के आसपास संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं और कुछ लोगों की मौतें भी हो रही है। इस पर संतोष जताया जा सकता है कि अब तक टीके की 136 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं, लेकिन जिन्होंने टीके नहीं लगवाए, उन्हें आगे आने की जरूरत है। निस्संदेह इसका भी फैसला जल्द होना चाहिए कि बूस्टर डोज की आवश्यकता पड़ेगी या नहीं? इसी के साथ यह अध्ययन भी होना चाहिए कि मौजूद टीके ओमिक्रोन के संक्रमण से बचाव में सहायक हैं या नहीं?

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com